दैनिक

राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत उत्तर भारत विशेष कर मालवा जोन (हरियाणा) का एकमात्र दैनिक समाचारपत्र

DAILY BHARAT DESH HAMARA KARNAL

भारत देश हमारा

Postal Regd. No. PKL-235/2024-26

www.bharatdeshhamara.com,E-mail-bdhkarnal@gmail.com

करनाल

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

संपादक - डा.के.के.संधू

प्रबन्ध संपादक: सुरेन्द्र सिंह छत्तवाल

PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227 वर्ष 8 अंक 179 सोमवार 30 जून, 2025 Monday 30 June,2025 मूल्य 2/- रूपए , कुल पृष्ठ 8 मोब :9416406615,7404278000,9215537704

राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार से उत्तर प्रदेश का दो दिवसीय दौरा करेंगी

नई दिल्ली 29 जून (निस): राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सोमवार से उत्तर प्रदेश का दो दिवसीय दौरा करेंगी। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान से यह जानकारी मिली। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति सोमवार को बरेली में भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान के 11वें दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से रविवार को जारी(शेष पृष्ठ दो पर)

उत्तराखंड के बड़कोट में बादल फटने से भारी तबाही, नौ मजदूर लापता

दो शव बरामद, बाकी की तलाश जारी, दस मजदूर सुरक्षित बचाए गए

देहरादून 29 जून (निस) उत्तरकाशी जिले के बड़कोट तहसील क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने की घटना से हड़कंप मच गया। घटना के बाद क्षेत्र में भारी तबाही की खबर हैं। प्रशासन ने बताया गया कि, सिलाई बैंड के पास रात 3.12 बजे बादल फटने की सूचना मिली थी। सूचना मिलने के बाद आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से राजस्व विभाग, एसडीआरएफ और पुलिस टीम रवाना की गई है। सिलाई बैंड के पास 19 मजदूर रहते थे, जिसमें से 9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। एसडीआरएफ, पुलिस राजस्व विभाग की टीमें लापता लोगों के लिए तलाशी अभियान चल रही हैं। वहीं 10 मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर लाया गया है। उत्तरकाशी में स्थानीय प्रशासन ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग सिलाई बैंड के पास दो-तीन स्थानों पर मलबा और पानी आने से बाधित हो गया है। इस संबंध में एनएच विभाग को सूचित कर दिया गया है ताकि यातायात बहाल किया जा सके। इसके अलावा कुथनौर गांव में भी बादल फटने के चलते हुए भूस्खलन से कृषि भूमि को नुकसान पहुंचा है। प्रशासन का कहना है कि लापता मजदूरों की तलाश तेज कर दी गई है और स्थानीय लोगों से भी सहयोग लिया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है और एहतियाती उपाय भी किए जा रहे हैं। बादल फटने के अलावा, राज्य भर में लगातार बारिश के कारण काफी नुकसान पहुंचा है। नंदप्रयाग और भनेरोपानी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग अवरुद्ध हो गया है, जबकि रुद्रप्रयाग जिले के अधिकारियों को इस सप्ताह की शुरुआत में भूस्खलन (शेष पृष्ठ दो पर)

भारत-पाक सीमा के पास मिला युवक-युवती का शव, आईडी और सिम कार्ड बरामद

जैसलमेर, 29 जून (निस) राजस्थान के जैसलमेर में भारत-पाकिस्तान बॉर्डर के पास एक युवक और नाबालिग लड़की का शव मिला है। मौके से पाकिस्तानी सिम और आईडी कार्ड भी मिला है। इसकी पुष्टि जिले के एसपी ने की। एसपी के मुताबिक ये दोनों शव जैसलमेर जिले के साधेवाला क्षेत्र में स्थित भारत-पाकिस्तान सीमा के पास मिले। मृतकों में एक 18 साल का युवक और एक 15 साल की नाबालिग लड़की हैं। शवों की हालत से लगता है कि दोनों की मौत करीब सात दिन पहले हुई होगी। शव भारत-पाक तारबंदी से 10-12 किलोमीटर अंदर भारतीय क्षेत्र में मिले हैं। आईडी कार्ड के मुताबिक युवक का नाम रवि कुमार है।भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास दो शव मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियां भी सतर्क हो गईं। मामले की जानकारी मिलने(शेष पृष्ठ दो पर)

जन-भागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकटों का किया जा सकता है मुकाबला-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने मन की बात में आपातकाल का किया जिक्र, नेताओं के संदेश सुनाए

नई दिल्ली 29 जून (निस): पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 123वें एपिसोड में कई विषयों पर बात की। इनमें से एक अहम मुद्दा था 1975 में लगाया गया आपातकाल। इस दौरान पीएम मोदी ने देशवासियों को उस दौर की भयावहता और संकट से अवगत कराने कई नेताओं के ऑडियो संदेश सुनाए। इन ऑडियो के जरिए उन्होंने उस समय के हालात को प्रस्तुत किया, जब लोकतंत्र को कुचलने की कोशिश की गई थी। पीएम मोदी ने कहा कि जन-भागीदारी की शक्ति से, बड़े-बड़े संकटों का मुकाबला किया जा सकता है।इसके बाद पीएम मोदी ने पूर्व पीएम मोरारजी देसाई का एक ऑडियो का उल्लेख किया, जिसमें देसाई जी ने आपातकाल की क्रूरता को बयां किया। मोरारजी देसाई ने कहा था, आखिर ये जो जुल्म हुआ दो साल तक जुल्म तो 5 से 7 साल से शुरू हो गया था। लेकिन वह शिखर पर पहुंच गया है दो साल में, जब लोगों पर इमरजेंसी थोप दी और अमानवीय बर्ताव किया गया। लोगों के स्वतंत्रता का हक छीन लिया गया। अखबारों की स्वतंत्रता भी छीन ली। अदालतें निर्बल बना दी गई। जिस ढंग से एक लाख से ज्यादा लोग जेल में बंद कर दिए और फिर सरकार की मनमानी होती रही, उसकी मिसाल दुनिया के इतिहास में मिलना मुश्किल है।पीएम मोदी ने कहा कि मोरार देसाई ने संक्षेप में बहुत ही स्पष्ट तरीके से इमरजेंसी के बारे में बताया। आप कल्पना कर सकते हैं, वो दौर कैसा था। इमरजेंसी लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी अपना गुलाम बनाना था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर यातनाएं दी गई। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया(शेष पृष्ठ दो पर)

संघ प्रमुख बोले-हिंदू समुदाय ने विश्व को एकता के सूत्र में बांधने की जिम्मेदारी ली

नई दिल्ली, 29 जून (निस) आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने समाज में स्नेह और करुणा को बढ़ावा देते हुए कहा कि ऐसे दौर में जब सामाजिक स्नेह कम होता जा रहा है, आरएसएस इन मूल्यों को फिर से स्थापित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है। भागवत ने ये टिप्पणी एक पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम के दौरान की। भागवत ने शुक्रवार को कहा कि आरएसएस का मिशन यह तय करना है कि संपूर्ण हिंदू समाज अपनापन और स्नेह की भावना से एक सूत्र में बंधा रहे। उन्होंने कहा कि पशुओं के विपरीत मनुष्य के पास बुद्धि होती है। बुद्धि के विवेकपूर्ण इस्तेमाल से वह और भी बेहतर बन सकता है, लेकिन उसी बुद्धि का गलत तरीके से इस्तेमाल करने से वह और भी बुरा बन सकता है। एकमात्र चीज जो उसे बुरा बनने से रोकती है, वह है स्नेह और अपनापन की भावना। उन्होंने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं कि लोग स्वार्थी हो जाने पर बुराई की ओर झुक जाते हैं। वहीं, अगर कोई व्यक्ति स्नेह और(शेष पृष्ठ दो पर)

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान मची भगदड़ में 3 की मौत,कई घायल,प्रधानमंत्री मोदी,अमितशाह ने जताया दुख

पुरी 29 जून (निस) भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान भारी भीड़ जुटी। लाखों भक्त इस यात्रा में शामिल हुए। एक दूसरे से आगे निकलने की होड़ में कुछ लोग गिर पड़े, इसी दौरान भगदड़ मच गई और तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। हादसा सुबह करीब 4:30 बजे हुआ, जब भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों को ले जा रहे तीन रथ जगन्नाथ मंदिर से करीब तीन किलोमीटर दूर श्री गुंडिचा मंदिर के पास थे। रथों को शुक्रवार शाम तक

गुंडिचा मंदिर पहुंचना था, लेकिन भगवान बलभद्र के तलध्वज रथ के एक मोड़ पर अटकने के कारण रथों को ग्रांड रोड पर रोकना पड़ा। इससे अन्य दो रथ भी आगे नहीं बढ़ सके। हालांकि, पहांदी जैसे अधिकांश अनुष्ठान जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के निर्धारित समय पर पूरे हुए, लेकिन रथ खींचने में काफी देरी हुई, जिससे भक्तों में नाराजगी देखी गई। भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ (तलध्वज और दर्पदलन) बीच रास्ते में रुक गए, जबकि भगवान जगन्नाथ का रथ (नंदीघोष) सिंहद्वार से थोड़ा आगे बढ़कर रुक गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, गुंडिचा मंदिर के पास भारी भीड़ दर्शन के लिए जुटी थी। भीड़ बढ़ने पर कुछ लोग गिर गए, जिससे भगदड़ शुरू हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं- प्रभाती दास और बसंती साहू शामिल हैं। इसके अलावा, 70 वर्षीय प्रेमकांत मोहंती की भी मौत हुई है। ये तीनों खुरदा जिले के रहने वाले थे और रथ यात्रा के लिए पुरी आए थे। कुछ(शेष पृष्ठ दो पर)

जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर कार-पिकअप में टक्कर, 3 की मौत, 17 घायल

कपूरथला 29 जून (निस): पंजाब के कपूरथला जिले के जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर गुडाणा पुल के पास एक कार और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई। हादसे में दंपती समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 17 गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। मृतकों की पहचान पिकअप का चालक कल्याण सिंह (60) होशियारपुर व उसकी पत्नी प्रवीण कुमारी के अलावा संजना पुत्री पवनजीत वासी बिरड़ों तहसील गढ़शंकर जिला होशियारपुर के रूप में हुई है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। हादसे के बाद आर्टिगा कार पुल से नीचे गिर गई जिससे कार में सवार 7 व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए अस्पताला पहुंचाया। एसएसआई ने बताया कि शनिवार सुबह 5 बजे कार जालंधर से अमृतसर की तरफ जा रही थी। जब वह गांव गुडाना पुल के (शेष पृष्ठ दो पर)

अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी सरकार ने 421 विधेयक पास किए

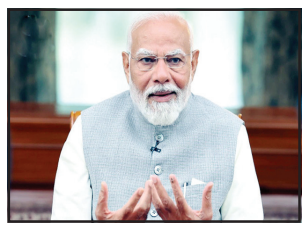

नई दिल्ली 29 जून (निस) हाल ही में मोदी सरकार ने केंद्र में अपने 11 साल पूरे किए है। इस दौरान सबसे बड़ी पंचायत संसद भी तमाम बदलावों को होकर गुजरी। मोदी सरकार का आगामी रोडमैप क्या है, इस पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बातचीत की। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने कहा कि मोदी सरकार में कई महत्वपूर्ण संसदीय निर्णय हुए हैं। उदाहरण के लिए रेल और आम बजट को मिलाने और आम बजट को हर साल 1 फरवरी को पेश करने का ऐतिहासिक फैसला हुआ। इसी तरह, जम्मू-कश्मीर में समाज के सभी वर्गों के लिए समान मौके सुनिश्चित करने के लिए अनुच्छेद 370 और उसके तहत राष्ट्रपति के आदेशों के कुछ प्रावधानों को निरस्त किया गया। वहीं पीएम मोदी के भविष्यवादी दृष्टिकोण के चलते देश को सितंबर 2023 में नई संसद मिली, जब संविधान सभा से शुरू हुई 75 वर्षों की संसदीय यात्रा पर एक विशेष सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर नीति निर्माण में जन प्रतिनिधियों के रूप में महिलाओं की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए संसद में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया गया। मोदी सरकार ने अपने 11 साल के(शेष पृष्ठ दो पर)

भाषण दे रहे थे तेजस्वी यादव ...अचानक मंच से टकराया ड्रोन

पटना 29 जून (निस) राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव के भाषण के दौरान एक ड्रोन मंच से टकरा गया, लेकिन उन्होंने फुरती दिखाते हुए झुक कर खुद को बचा लिया। रविवार को यह घटना उस समय हुई जब पूर्व उपमुख्यमंत्री यहां ऐतिहासिक गांधी मैदान में 'वक्फ बचाओ, संविधान बचाओ रैली को संबोधित कर रहे थे। पटना की पुलिस अधीक्षक (मध्य) दीक्षा ने बताया, ''हम घटना की जांच कर रहे हैं। यह एक प्रतिबंधित क्षेत्र था और ऐसी कोई वस्तु वहां नहीं आनी चाहिए थी। जब रैली हो रही थी, तब पुलिस टीम भीड़ को संभालने में व्यस्त थी। लेकिन मामले की निश्चित रूप से गहन जांच की जाएगी।

कोलकाता लॉ कालेज कांड: मेडिकल जांच रिपोर्ट में छात्रा के साथ गैंगरेप की पुष्टि, दोषियों को बरशा नहीं जाएगा-टीएमसी

कोलकाता, 29 जून (निस) कोलकाता के एक लॉ कॉलेज में गैंगरेप की घटना सामने आई है। कॉलेज में पढ़ने वाली 24 साल की छात्रा ने तीन लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगाया है। मुख्य आरोपी मनोजीत मिश्रा साउथ कोलकाता लॉ कॉलेज का पूर्व छात्र है, उनसे दो मौजूदा छात्रों के साथ मिलकर 25 जून को लॉ छात्रा के साथ गैंगरेप की इस घटना को अंजाम दिया था। कोलकाता पुलिस ने बताया कि मेडिकल जांच में छात्रा के साथ गैंगरेप की पुष्टि हो गई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साउथ कलकत्ता लॉ कॉलेज की प्रथम वर्ष की छात्रा ने शिकायत दर्ज कराई कि 25 जून को कॉलेज के एक पूर्व छात्र और दो पढ़ाई कर रहे सीनियर छात्रों ने उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। गुरुवार को तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया था और पीड़ित छात्रा का मेडिकल करवाया गया था। पुलिस ने बताया कि मेडिकल रिपोर्ट में जबरन शारीरिक संबंध बनाने, शरीर पर काटने के निशान और नाखूनों से(शेष पृष्ठ दो पर)

प्रधानमंत्री द्वारा देशहित में नागरिकों के अनुभवों को सांझा करने से अन्य लोगों को मिलती है प्रेरणा - मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को गुरुग्राम में सुना गया

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल कौशिक रहे उपस्थित

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर आमजन से ''एक पेड़ मां के नाम'' अभियान में सक्रिय सहभागिता का किया आह्वान

चंडीगढ़, 29 जून (अमृतपाल सिंह) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रस्तुत मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' का आज गुरुग्राम में सामूहिक श्रवण आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी और भाजपा हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहनलाल कौशिक, उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं ने बादशाहपुर विधानसभा के बूथ संख्या 4 में स्थित जीएनएच कन्वेंशन सेंटर में स्थानीय नागरिकों और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री के विचारों को सुना और उस पर संवाद किया।कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी मन की बात कार्यक्रम में अपनी स्वयं की मेहनत से देशहित में योगदान देने वाले नागरिकों के अनुभवों को सांझा करते हैं जिससे आमजन को प्रेरणा मिलती है।(शेष पृष्ठ दो पर)

कुरुक्षेत्र में बारिश कारण छत गिरी, महिला की मौत

हरियाणा,चंडीगढ़,पंजाब में जमकर बरसे बादल,उमस से मिली राहत

चंडीगढ़ 29 जून (निस) पिछली देर रात से रविवार सारा दिन पंजाब हरियाणा में अधिकतर स्थानों पर जमकर बादल बरसे जिससे लोगों को उमस भरे मौसम से राहत मिली वहीं पांच डिग्री तक तापमान गिर गया जिससे मौसम सुहावना हो गया **नवांशहर**-आज सुबह हुई करीब आधे घंटे की मुसलाधार बारिश से जहां तापमान में करीब 5 डिग्री की कमी आई तो दूसरी ओर शहर के नीचे वाले मोहल्लों तथा बाजारों में जल भराव होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। नगर कौंसिल को सीवरेज की सफाई के लिए मिली लाखों रुपए की मशीनरी का भी लोगों को अधिक लाभ मिलता दिखाई नही दे रहा है। जिसका कारण मशीनरी को हैंडल करने लिए जरूरी कर्मचारियों की भर्ती समय पर न होना तथा मशीनरी के सफेद हाथी बनना पाया जा रहा है।बरसात के मौसम से पहले हर वर्ष की भांति नगर कौंसिल की आधी अधूरी तैयारी शहर में जल भराव का कारण बन रही है। मौसम विभाग के अनुसार नवांशहर में 66 एम.एम. तथा बलाचौर में 64.1 एम.एम. बारिश रिकार्ड की गई है। जिससे लोगों को गर्मी से भारी राहत मिली है। आज सुबह तड़कसार साढे 3 बजे शुरू हुई बारिश सुबह 6 बजे तक जारी रही जिसके बीच करीब आधा घंटे तक मुसलाधार बारिश ने धरती की तपश को खत्म किया। मौसम विशेष विभाग के अनुसार आज अधिकतम तापमान 31 तथा न्यूनतम 25 डिग्री रहा। विशेषज्ञों के अनुसार सोमवार(शेष पृष्ठ दो पर)

पृष्ठ एक का शेष...

जन-भागीदारी की शक्ति से बड़े-बड़े संकटों का किया जा ... नहीं जा सकता। जॉर्ज फर्नांडिस को जंजीरों में जकड़ा गया। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। 'मीसा' के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। विद्यार्थियों को भी परेशान किया गया और अभिव्यक्ति की आजादी का गला घोंटा गया। पीएम मोदी ने इस दौरान भारत की जनता की अदम्य शक्ति की सराहना की। उन्होंने कहा कि उस काले दौर में भी भारत की जनता न झुकी, न टूटी, और न ही लोकतंत्र के साथ कोई समझौता किया। आखिरकार जनता-जनार्दन की जीत हुई और आपातकाल को हटाने के साथ इसे थोपने वाली ताकतों को सत्ता से बाहर कर दिया गया। इस संदर्भ में पीएम मोदी ने बाबू जगजीवन राम का एक ऑडियो का भी जिक्र किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि पिछला चुनाव, चुनाव नहीं था। भारत की जनता का एक महान अभियान था। उस समय की परिस्थितियों को बदल देने का, तानाशाही की धारा को मोड़ देने का और भारत में प्रजातंत्र के बुनियाद को मजबूत कर देने का। इसी तरह पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी के बारे में पीएम मोदी ने कहा कि देश में जो कुछ हुआ, उसे केवल चुनाव नहीं कह सकते। एक शांतिपूर्ण क्रांति हुई है। लोकशक्ति की लहर ने लोकतंत्र की हत्या करने वालों को इतिहास के कूड़ेदान में फेंक दिया है। पीएम मोदी ने यह भी बताया कि आपातकाल थोपे जाने के 50 साल पूरे हुए हैं। इस अवसर पर देशवासियों ने संविधान हत्या दिवस मनाया ताकि उस दौर की क्रूरता को याद किया जा सके और लोकतंत्र की रक्षा के लिए सजग रहा जाए। उन्होंने उन सभी वीरों को याद करने का आह्वान किया, जिन्होंने आपातकाल का डटकर मुकाबला किया और संविधान को सशक्त बनाया।

राष्ट्रपति मुर्मू सोमवार से उत्तर प्रदेश का दो ... बयान में कहा गया कि सोमवार को ही वह गोरखपुर स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी।इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति एक जुलाई को गोरखपुर में महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का उद्घाटन करेंगी। बयान में कहा गया है कि मुर्मू गोरखपुर स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय का भी दौरा करेंगी जहां वह इसके सभागार, अकादमिक ब्लॉक और पंचकर्म केंद्र का उद्घाटन करेंगी और एक नए महिला छात्रावास की आधारशिला भी रखेंगी।

उत्तराखंड के बड़कोट में बादल फटने से भारी ... और मलबा गिरने के कारण सोनप्रयाग-मुनकटिया मार्ग पर आवाजाही रोकनी पड़ी।केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों के लिए यह विशेष मार्ग महत्वपूर्ण है। सोनप्रयाग शटल पुल और मुनकटिया स्लाइडिंग जोन के पास इसे पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, जिससे तीर्थयात्रियों को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सोनप्रयाग और गौरीकुंड में अस्थायी रूप से रोकना पड़ा है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी सिलाई बैंड के पास दो से तीन स्थान बाधित हुआ है। एनएच बड़कोट के अधिकारियों को अवरोध के बारे में सतर्क कर दिया गया है। इसके अलावा, स्यानाचट्टी के पास एक नाले में मलबा जमा होने के कारण यमुना नदी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र के निचले इलाकों में स्थित होटलों के लिए खतरा और बढ़ गया है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है, जिनमें चमोली, पौड़ी, देहरादून और रुद्रप्रयाग शामिल हैं। यहां भूस्खलन के कारण कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं।

हरियाणा,चंडीगढ़,पंजाब में जमकर बरसे ... को भी बारिश होने की संभावना दिखाई गई है।

पटियाला-जिले में देर रात से रुक रुक कर भारी बारिश होती रही रविवार को देर शाम तक यहीं सिलसिला जारी रहा जलभराव की समस्या बनी लेकिन लोगों को खूब राहत मिली।

हरियाणा के कई जिलों में झमाझम बारिश, कुरुक्षेत्र में घर में छत के गिरने से महिला की मौत - हरियाणा में बारिश होने से मौसम सुहावना हो गया है। प्रदेश के 11 जिलों गुरुग्राम, हिसार, पानीपत, सोनीपत, नूंह, करनाल, कुरुक्षेत्र, अंबाला, झज्जर, रेवाड़ी और यमुनानगर में बारिश हो रही है। बाकि बचे जिलों में भी हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। खबर आ रही है कि आज सुबह बारिश से कुरुक्षेत्र के शाहाबाद में हादसा हो गया यहां घर की छत गिर गई। जिससे नीचे सो रही महिला की दबकर मौत हो गई, जबकि उसका पति मिया राम गंभीर रूप से घायल हो गया। चंडीगढ़ में भी शनिवार रात को मूसलाधार बारिश हुई। प्रेदश में कल भी बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। सिरसा, पलवल, नूंह, महेंद्रगढ़ और रेवाड़ी में हल्की बारिश हो सकती है।

सूचना

सभी पाठकों को सूचित किया जाता है कि किसी कारणवश यदि भारत देश हमारा व चढ़दीकला समाचारपत्र आपको नियमित रूप से नहीं मिल रहा है तो कृपया नीचे दिए फोन नंबर पर संपर्क करें।

मोब: 9416406615

पाठकों हेतु आवश्यक सूचना

समाचार-पत्र दैनिक भारत देश हमारा करनाल में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/ क्लासीफाइड) के तथ्यों की जिम्मेवारी नहीं लेता। हमारा समाचार पत्र इनको प्रमाणित नहीं करता। पाठकों से निवेदन है कि वे इन विज्ञापनों पर कार्रवाई करने से पूर्व तथ्यों की पुष्टि अवश्य कर लें।

सूचना

हरियाणा में चढ़दीकला टाईम टीवी न्यूज चैनल,भारत देश हमारा व रोजाना चढ़दीकला पंजाबी समाचार पत्र में पत्रकार बनने तथा विज्ञापन एवं समाचार देने के लिए संपर्क करे।

कार्यालय: 15-ए, माल रोड़
नजदीक अम्बेडकर चौंक, करनाल
मोब: 9416406615

सदा आपके साथ

जन्मदिन,विवाह वर्षगांठ,संयुक्त परिवार और ग्रुप सैल्फी (2 से अधिक)की फोटो हमें भेजें।

नोट:मेल में नाम पता व मोबाईल नंबर जरूर लिखें।
सभी सेवाएं निशुल्क है।

E-mail chardikla.hr@gmail.com
Whatsapp: 9896359037,8307425115

आवश्यक सूचना

दैनिक पंजाबी चढ़दीकला एवं हिन्दी दैनिक भारत देश हमारा समाचार-पत्र में खबरें एवं विज्ञापन देने के लिए सम्पर्क करें।
कार्यालय 26 ग्रीनपार्क तहसील टाऊन पानीपत।
मोब: 9215537704,7206600325,7206300081

कृष्ण कुमार सन्धु,सम्पादक,पब्लिशर व श्रीमती सुमन लता प्रिंटर ने दैनिक भारत देश हमारा जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मोर्चा प्रिंटर्स, एससीओ 3-4, चौंक दुखनिवारण साहिब ,सरहिंद रोड पटियाला के कीपर जगजीत सिंह दर्दी से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा, 15-ए,माल रोड, करनाल से प्रकाशित किया (सम्पादक - कृष्ण कुमार सन्धु)
PRGI (RNI) Regd. No.HARHIN/2017/74227

प्रधानमंत्री द्वारा देशहित में नागरिकों के अनुभवों को ....

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कार्यक्रम से एक बड़ा लाभ हमारी आने वाली पीढ़ी व आमजन को मिलता है।

कार्यक्रम के उपरांत भाजपा नेताओं द्वारा आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत लाभान्वित पात्र नागरिकों को आयुष्मान कार्ड लाभ पत्र भी वितरित किए गए। इस पहल का उद्देश्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना है। गुरुग्राम में आयोजित यह कार्यक्रम जनसंपर्क और जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ करने वाला रहा, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

मुख्यमंत्री ने पौधारोपण कर आमजन से एक पेड़ मां के नाम अभियान में सक्रिय सहभागिता का किया आह्वान - मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जेपी नड्डा, पर्यावरण मंत्री राव नरबीर सिंह के साथ वाटिका चौक के नजदीक वन विभाग द्वारा बादशाहपुर ड्रेन के ऊपर विकसित किए गए फॉरेस्ट कॉरिडोर पर पौधारोपण कर प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि वे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक पेड़ मां के नाम अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाकर उसे संरक्षित करने का संकल्प ले। यह प्रयास न केवल हरियाणा को हरा- भरा बनाने में सहायक होगा बल्कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी योगदान देगा।इस अवसर पर सोहना के विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा, पूर्व सांसद एवं भाजपा के संसदीय बोर्ड की सदस्य डॉ सुधा यादव, डीसी अजय कुमार, निगमायुक्त प्रदीप दहिया, पूर्व विधायक संजय सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, निगम पार्षद कुलदीप यादव सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

जालंधर-अमृतसर नेशनल हाईवे पर कार-पिकअप ... नजदीक पहुंची तो सामने से आ रहे महिंद्रा पिकअप से टक्कर हो गई। हादसे में पिकअप में बैठी दो सवारियों की मौत हो गई और करीब 14 लोग घायल हो गए हैं। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल में हुई। उन्होंने बताया कि कार को भीम पुत्र धर्मपाल वासी करनाल हरियाणा चला रहा था। पिकअप व आर्टिगा कार में सवार सभी लोग ब्यास जा रहे थे। कार में चालक समेत सात सवारियां थी। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ रथ यात्रा के दौरान मची ... घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने शुक्रवार को कहा कि सभी अनुष्ठान समय पर पूरे होने के बाद दोपहर 4 बजे रथ खींचना शुरू हुआ था, लेकिन बदा दांडा (ग्रांड रोड) के प्रमुख मोड़ों पर समस्याओं और पिछले वर्षों की तुलना में 1.5 गुना अधिक भक्तों की भीड़ के कारण व्यवधान हुआ। उन्होंने कहा, इस साल अनुकूल मौसम के कारण भक्तों की संख्या अधिक थी, जिससे भीड़ को नियंत्रित करना और चुनौतीपूर्ण हो गया। रथ यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा की मूर्तियों वाले तीन भव्य रथों को भारी भीड़ द्वारा खींचा जाता है। ये रथ गुंडिचा मंदिर तक ले जाए जाते हैं, जहां तीनों देवता एक सप्ताह तक रहते हैं और फिर जगन्नाथ मंदिर लौटते हैं। प्रशासन के अनुसार, रथ यात्रा के पहले दिन शुक्रवार को ही 10 लाख से अधिक श्रद्धालु पुरी पहुंचे थे, जिससे अपार भीड़ का दबाव बना रहा। देवी सुभद्रा के रथ के पास शुक्रवार देर शाम तक 625 से अधिक लोग बीमार हो गए थे। शनिवार को भीड़ में 10-20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, फिर भी पिछले 24 घंटे में 650 से अधिक श्रद्धालु अस्वस्थ हो गए। इनमें से 70 को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से नौ की हालत गंभीर बनी हुई है।भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के रथ शनिवार को श्री गुंडिचा मंदिर पहुंच गए। यह मंदिर जगन्नाथजी की मौसी का घर माना जाता है, जहां तीनों देवता हर साल नौ दिनों के लिए जाते हैं। मंदिर, 12वीं सदी के श्रीमंदिर से लगभग 2.6 किलोमीटर दूर स्थित है।

कोलकाता लॉ कालेज कांड: मेडिकल जांच रिपोर्ट में छात्रा ... खरोंचने के सबूत मिले हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि मुख्य आरोपी जो कॉलेज का पूर्व छात्र और एक प्रैक्टिसिंग क्रिमिनल लॉयर है उसने दुष्कर्म किया। जबकि अन्य दो कमरे के बाहर पहरा दे रहे थे। मुख्य सरकारी अभियोजक ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले के मुताबिक अगर किसी गैंगरेप की घटना में एक व्यक्ति भी दुष्कर्म करता है, लेकिन बाकी लोग उसकी मदद करते हैं या उसके साथ साझा इरादा रखते हैं, तो वे भी समान रूप से दोषी हैं। इसलिए यह गैंगरेप का मामला है, और तीनों इस मामले में आरोपी हैं।कोलकाता पुलिस कमिश्नर और जॉइंट सीपी (क्राइम) कसबा पुलिस स्टेशन पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने लॉ कॉलेज जाकर मामले की गहराई से जांच की। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि इस तरह की घटनाएं शर्मनाक हैं और दोषियों को सख्त सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जब एक दोस्त अपनी ही दोस्त के साथ अपराध करता है तो पुलिस हर स्कूल या कॉलेज में कैसे तैनात रह सकती है?इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से भी प्रतिक्रिया आई है। पश्चिम बंगाल की मंत्री शशि पांजा ने कहा कि जैसे ही पुलिस को शिकायत मिली, 12 घंटे के अंदर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने साफ कहा कि राज्य सरकार और पुलिस इस मामले को बहुत गंभीरता से ले रही है और ऐसे मामलों में कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए। गैंगरेप की घटना को लेकर सियासी तापमान भी बढ़ गया है। बीजेपी युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कसबा थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए सड़क पर टायर जलाए। जब पुलिस ने आग बुझाने की कोशिश की तो पुलिस को बीजेपी कार्यकर्ताओं ने रोका, जिससे झड़प की स्थिति बन गई। इसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा और कई बीजेपी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

भारत-पाक सीमा के पास मिला... के बाद पुलिस और बीएसएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसलमेर एसपी ने बताया कि मामला संवेदनशील है। और हर पहलू से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के गांवों में भी पूछताछ जारी है। शुरुआती जांच में शवों के पास कोई हथियार या जहरीला पदार्थ नहीं मिला है। मौत का कारण जानने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।पाकिस्तानी सिम कार्ड और आईडी कार्ड मिलने से कई सवाल खड़े हो हैं। क्या यह सीमा पार प्रेम प्रसंग का मामला है या घुसपैठ की कोशिश या फिर कोई साजिश? हालांकि, यह साफ नहीं हो सका है कि वे दोनों भारतीय सीमा में क्या करने आए थे।

संघ प्रमुख बोले-हिंदू समुदाय ने विश्व ... करुणा की ओर झुक जाता है, तो वह ईश्वरीय स्वरूप प्राप्त कर लेता है और खडीवाले की जीवन यात्रा इसकी एक बानगी है। भागवत ने कहा कि संघ समाज को अपनेपन, स्नेह और करुणा की भावना की याद दिलाने की दिशा में काम करता है, जिसे वर्तमान समय में भुला दिया गया है।

अपने 11 साल के स्वर्णिम कार्यकाल में मोदी ... स्वर्णिम कार्यकाल में अब तक 421 बिल पास किए। वहीं अब तक कुल 1576 पुराने और निरर्थक कानूनों को निरस्त किया। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान भारतीय संसद के लचीलेपन की परीक्षा हुई। तब अनुच्छेद 85 की संवैधानिक अपेक्षाओं को और अत्यावश्यक विधायी कामों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और गृह मंत्रालय के सभी दिशा-निर्देशों का पालन कर तीन सत्रों का आयोजन हुआ। उस मुश्किल दौर में दूरी से जुड़े प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए लोकसभा और राज्यसभा के सत्र का आयोजन अलग-अलग में समय में सभी सुरक्षा मानदंडों के साथ हुआ।

रायपुररानी में पंडित केदारनाथ शर्मा ट्रस्ट ने 291 ग्रामीणों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की

रायपुररानी, 29 जून (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी स्थित ब्राह्मण धर्मशाला में पंडित केदारनाथ शर्मा हॉस्पिटल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य और रक्त जांच शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सुबह 10 बजे से लेकर दोपहर 2 बजे तक चला, जिसमें 291 ग्रामीणों ने विभिन्न चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में पंजीकरण करने वाले मरीजों में से 97 ने सामान्य बीमारियों, 64 ने हड्डी रोग, 88 ने नेत्र रोग और 42 ने रक्त जांच के लिए पंजीकरण कराया। इस शिविर में पंचकूला के सिविल हॉस्पिटल से आए विशेषज्ञ चिकित्सकों और रायपुररानी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. गौरव प्रजापति ने अपनी सेवाएं दीं। जबकि स्वास्थ्य टीम में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. कुनाल वर्मा, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. राहुल कौशिक, नेत्र विशेषज्ञ डॉ. शायना बंसल जैन, जीत सिंह, रणजीत सिंह, प्रीति रानी, अंजू रानी, नसीब सिंह और जसविंदर सिंह भी शामिल थे। शिविर के दौरान मरीजों को निःशुल्क परामर्श, दवाइयां और प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। इसके साथ ही, ब्लड शुगर, यूरिक एसिड, लिपिड प्रोफाइल और हीमोग्लोबिन जैसी आवश्यक जांचें भी निःशुल्क की गईं। इस अवसर पर समाजसेवी सोनू शर्मा, भाजपा मंडल अध्यक्ष रोहित सैनी, मंडल सचिव पवन पराशर, ब्राह्मण कल्याण संघ के प्रधान अरविंद वशिष्ठ, अनिल राय, आर.एन. शर्मा पूर्व चेयरमैन, मदन धीमान पूर्व मंडल अध्यक्ष, जितेन्द्र नाथ शर्मा और मास्टर मोहन लाल ने पंडित केदारनाथ शर्मा हॉस्पिटल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट और विधायक शक्ति रानी शर्मा की सकारात्मक पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों में सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में सहायक हैं और इससे लोगों को राहत मिली है। शिविर में न केवल स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गई, बल्कि आने वाले लोगों की हैप्पी कार्ड, आयुष्मान कार्ड और परिवार पहचान पत्र से जुड़ी समस्याओं का भी समाधान किया गया। इसके अतिरिक्त, नए हैप्पी कार्ड भी जारी किए गए, जिससे भविष्य में इन लोगों को सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लेने में सुविधा होगी। शिविर की सफलता में पंडित केदारनाथ शर्मा ट्रस्ट के पदाधिकारियों, स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग की टीम और समाजसेवियों का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

नीतियों की सफलता के लिए सटीक आंकड़ों का संग्रहण और विश्लेषण अनिवार्य : मनोज कुमार गोयल

पंचकूला,29 जून (सतीश मंगला): किसी भी नीति या योजना की सफलता की नींव सटीक आंकड़ों के संग्रहण और उनके वैज्ञानिक विश्लेषण पर आधारित होती है। यदि आंकड़ों को व्यवस्थित ढंग से एकत्रित कर उनका गहन विश्लेषण किया जाए, तो योजनाओं को अधिक प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा सकता है। यह विचार हरियाणा सरकार के अर्थ एवं सांख्यिकी विश्लेषणविभाग के निदेशक मनोज कुमार गोयल ने आज 19वें राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के अवसर पर व्यक्त किए। वह पंचकूला स्थित योजना भवन में आयोजित भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। गोयल ने कहा कि आंकड़ों के माध्यम से हम देश और प्रदेश की प्रगति की दिशा और दशा का मूल्यांकन कर सकते हैं। यदि आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर किसी योजना में कमियां सामने आती हैं, तो समय रहते उनमें सुधार किया जा सकता है। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र और हरियाणा को विकसित राज्य बनाने के लक्ष्य में आंकड़े एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाएंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि इस दिशा में आंकड़ों का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर उन्होंने भारत के महान सांख्यिकीविद् और अर्थशास्त्री प्रो. प्रशांत चंद्र माहालनोबिस को श्रद्धांजलि अर्पित की और बताया कि यह दिवस उनके उल्लेखनीय योगदान की स्मृति में मनाया जाता है। उन्हें भारत में सांख्यिकी विज्ञान का जनक माना जाता है। वर्ष 1950 में उन्होंने राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण की स्थापना की, जिसने देश में सांख्यिकीय कार्यप्रणाली को नई दिशा प्रदान की। इस वर्ष सांख्यिकी दिवस की थीम राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण के 75 वर्ष रखी गई है, ताकि उनके योगदान को रेखांकित किया जा सके। समारोह के दौरान विभाग के अनुसंधान अधिकारियों ने विभिन्न शाखाओं के कार्यों पर प्रस्तुतियाँ दीं तथा राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण की 75 वर्षों की यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह प्रणाली सरकार की नीतियों और योजनाओं के निर्माण में उपयोगी आंकड़े प्रदान करती रही है। इस अवसर पर विभाग के संयुक्त निदेशक जगदीश जालंधरा, उपनिदेशक महेंद्र सिंह, नरेश कुहाड़, लक्की अरोड़ा एवं जयवीर नरवाल ने भी अपने विचार साझा किए। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रो. माहालनोबिस को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सांख्यिकी विज्ञान के प्रचार-प्रसार और सटीक आंकड़ों के महत्व पर बल दिया। इस समारोह का उद्देश्य न केवल सांख्यिकी के महत्व को रेखांकित करना था, बल्कि युवा अधिकारियों को यह प्रेरणा देना भी था कि वे आंकड़ों के माध्यम से नीतियों के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र के सतत विकास में सांख्यिकी के प्रभावी उपयोग के संकल्प के साथ किया गया।

नगर परिषद क्षेत्र में ड्रेनेज वाटर सिस्टम न होने के चलते गई नन्हीं बच्ची की जान,दिवंगत के परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा दे सरकार : दीपांशु बंसल

पिंजौर,29 जून (अजीत सिंह,अख्तर फ़ारूक़ी): नगर परिषद कालका के क्षेत्र में ड्रेनेज वाटर सिस्टम की खराब स्थिति के कारण एक नन्हीं बच्ची की मौत हो गई है, जिससे स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार की लापरवाही उजागर हुई है। कांग्रेस छात्र इकाई एनएसयूआई लीगल सेल के राष्ट्रीय सह संयोजक दीपांशु बंसल एडवोकेट ने आरोप लगाया है कि सरकार और प्रशासन सुविधाएं मुहैया करवाने में विफल रही हैं। इतना ही नहीं,दीपांशु बंसल ने कहा कि जहां परिषद के सभी पार्षद और प्रतिनिधि समय समय पर अपने अपने वार्ड में सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए आवाज उठाते है । वहां प्रदेश की ट्रिपल इंजन वाली भाजपा सरकार सुविधाएं मुहैया करवाने में विफल साबित रही है। पिंजौर निवासी दिवगंत 9 वर्षीय बेटी के आकस्मिक निधन पर दीपांशु बंसल ने शोक प्रकट करते हुए प्रदेश सरकार से परिजनों को 1 करोड़ का मुआवजा देने की मांग की है,क्योंकि उस बच्ची का निधन प्रदेश सरकार की लापरवाही के चलते हुआ है। इसके साथ ही सभी बरसातो नालों की सफाई के साथ प्रॉपर वाटर ड्रेनेज सिस्टम और ऐसे नालों पर प्रॉपर ढक्कन लगाने की मांग की है। इसको लेकर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी को पत्र लिखा है। दीपांशु बंसल ने कहा कि दो महीने पहले ही ड्रेनेज वाटर सिस्टम को सुधारने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा गया था, लेकिन सरकार ने इस पर कोई संज्ञान नहीं लिया। अगर समय रहते संज्ञान लेकर सुविधाएं मुहैया करवाई जातीं तो यह हादसा नहीं होता। उन्होने कहा कि उनके द्वारा प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन को समय समय पर इस मामले को लेकर सुझाव दिए जाते रहे है परन्तु शासन व प्रशासन सुझावों पर संज्ञान लेने की बजाए केवल मात्र झूठी वाहवाही लूटने में व्यस्त है। दीपांशु बंसल ने कहा कि नगर परिषद क्षेत्र में ड्रेनेज सिस्टम की खराब स्थिति के कारण जलभराव की समस्या उत्पन्न हुई है और सड़कों की हालत खस्ता है। आलम यह है कि पिंजौर से कालका रोड पर सड़को के दोनों ओर मलबा इकट्ठा हुआ है और इसी प्रकार से बरसाती नालों के खड्डे खुले है ,हालांकि ध्यान न रखने के कारण पानी सड़क पर रहता जी।अगर समय रहते सुविधाएं मुहैया नहीं करवाई गईं । तो आने वाले समय में लोगों को परेशानी हो सकती है।ऐसी घटनाएं नगर परिषद क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की कमी को उजागर करती हैं।

रायपुररानी में झमाझम बारिश ने किसानों को दी राहत, मौसम हुआ सुहावना

रायपुररानी, 29 जून (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी क्षेत्र में रविवार की सुबह से शुरू हुई झमाझम बारिश ने न सिर्फ किसानों के चेहरे पर मुस्कान वापस लौटा दी, बल्कि आमजन को भी भीषण गर्मी से राहत दी है। इस बारिश ने मौसम को ठंडा करने के साथ-साथ सूखा और अत्यधिक गर्मी से जूझ रहे किसानों के लिए एक प्राकृतिक आशीर्वाद साबित हुई है। बता दें कि किसान लंबे समय से बारिश का इंतजार कर रहे थे और अब अपने खेतों में पानी देखकर वे बेहद खुश और उत्साहित हैं। बारिश के साथ चल रही ठंडी हवाओं ने तापमान में गिरावट लाई और पूरे वातावरण को तरोताजा कर दिया। सुबह के समय हल्की बूंदाबांदी के बाद, जैसे-जैसे दिन चढ़ा, बारिश और तेज हो गई, जिससे खेतों में पानी भरने की उम्मीद जगी। किसान अब इसे अपनी फसलों के लिए वरदान मान रहे हैं। यह समय खरीफ की फसलें उगाने का मौसम है और किसान विशेष रूप से धान, मक्का और सोयाबीन जैसी फसलों के लिए बारिश का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। बारिश ने न सिर्फ खेतों में पानी भरने की संभावनाओं को बल दिया है, बल्कि यह फसलों की वृद्धि में भी मदद करेगा। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों से बढ़ती गर्मी और सूखा किसानों के लिए बड़ी चिंता का कारण बने हुए थे, लेकिन अब इस बारिश से उनकी चिंता कम हो गई है और उनके चेहरों पर राहत के भाव साफ नजर आ रहे हैं। ग्रामीण इलाकों में किसान अपने खेतों में काम करते हुए और बारिश का लुत्फ उठाते हुए देखे गए। वहीं, किसान इस बारिश को न केवल मौसम की राहत के रूप में देख रहे हैं, बल्कि इसे अपनी सालभर की मेहनत का फल मान रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस बारिश से उनकी फसलों को उचित पानी मिलेगा और इससे कृषि उत्पादन में भी बढ़ोतरी की उम्मीद है। बारिश ने न सिर्फ किसानों को राहत दी, बल्कि पूरे क्षेत्र को एक नई उम्मीद और ऊर्जा से भर दिया है। लोग अब यह उम्मीद कर रहे हैं कि आने वाले दिनों में बारिश का सिलसिला और भी बेहतर होगा, जिससे कृषि क्षेत्र में शानदार फसल की संभावना बनेगी।

संजीव जिंदल, गर्वित धवन व मोनिका बंसल 1 जुलाई से संभालेंगे पदभार

रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब के नवनिर्वाचित प्रधानों का कार्यकाल 1 जुलाई से प्रारम्भ

लाडवा, 29 जून (रामगोपाल): शहर की अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्थाओं रोटरी, रोट्रैक्ट व इनरव्हील क्लब के नए प्रधान 1 जुलाई से अपना पदभार संभालेंगे। रोटरी क्लब के पूर्व प्रधान अमित सिंघल ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए रोटरी क्लब का प्रधान संजीव जिंदल, रोट्रैक्ट क्लब का प्रधान गर्वित धवन व इनरव्हील क्लब कि प्रधान मोनिका बंसल को चुना गया है। उनके अनुसार ये तीनो प्रधान आगामी 1 जुलाई से अपना पदभार संभालेंगे। रोटरी के नवनियुक्त प्रधान संजीव जिंदल की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें उन्होंने सदस्यों का धन्यवाद करते हुए कहा कि जिस विश्वास के साथ क्लब के सदस्यों ने उन्हें यह पद सौंपा है उस पर वह हर प्रकार से खरा उतरने का प्रयास करेंगे और रोटरी द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामाजिक कार्यों में वृद्धि लाएंगे। उनके अनुसार 1 जुलाई को रोटरी अन्नपूर्णा दिवस पर वृद्धाश्रम में भंडारा लगाकर सत्र प्रारम्भ किया जायेगा और 5 जुलाई को पदग्रहण समारोह आयोजित किया जायेगा। इस बैठक में आने वाले सभी प्रोजेक्ट के प्रोजेक्ट चैयरमेन नियुक्त किये गए। आगामी इनरव्हील प्रधान मोनिका बंसल ने अगले वर्ष इनरव्हील द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए इनरव्हील क्लब भरपूर काम करेगी। रोट्रैक्ट के अगले प्रधान गर्वित धवन ने सम्बोधित करते हुए कहा कि रोट्रैक्ट लाडवा का न केवल मंडल 3080 में बहुत बड़ा नाम है बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रोट्रैक्ट लाडवा की अपनी अलग पहचान है जिसे वो अपने कार्यों से और ऊंचाइयों तक ले जाने का काम करेंगे। बैठक में 2 लक्की ड्रा निकाले गए जिसमें मुनीश सिंघल रोज़ी व अमित सिंघल विजेता रहे। इस अवसर पर रोटरी प्रधान नरेश गर्ग, विकास सिंघल, दुर्गेश गोयल, सुनील गर्ग, डॉ अमृत गर्ग, रविकांत गिरधर, पवनीश गोयल, अरुण करूड़वाल, डिम्पल गुम्बर, विशाल मित्तल, नरेंदर सिंघल, राजेश वर्मा, राजेश मिगलानी, गौरव गोयल, राजेश सरदाना, नरेश कंसल, अरुण सैनी, सुमीत गर्ग, अरविन्द जिंदल, राजीव गर्ग, अमित कंसल, विपीन मित्तल, बलजीत सिंह, जसविन्दर सिंह, विकल गर्ग, अरविन्द गोयल, राजन कंसल, विनोद गर्ग, प्रदीप बांगर सहित तीनो क्लबों के सदस्यों ने नवचयनित प्रधानों को बधाई दी।

बढ़ाई गई बिजली दरों को वापस लिया जाए : गुर्जर

नीलोखेड़ी,29 जून (सुरेश कुमार मिड्ढा): भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी ग्रुप) नीलोखेड़ी के युवा हल्का प्रधान अरविंद सिह गुर्जर ने बढ़ाई गई बिजली दरों को वापस लेने की मांग करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने हरियाणा प्रदेश मे बिजली के दामो में 4 गुणा बढ़ोतरी करके गरीबों के साथ भद्दा मजाक किया है । जनता पहले से महंगाई की मार झेल रही है।जनता को कोई राहत देने के बजाय उन्हें परेशान करने के लिए नए-नए तरीके खोजे जा रहे है। गर्मीयों में घंटों पावर कट से जनता त्रस्त है। दूसरी तरफ लोगों को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है। बीजेपी ने एक ही झटके में बिजली को चार गुना तक महंगा कर दिया। यानी जिन आम परिवारों को 900 से 1000 रुपए तक बिल देना पड़ता था, उन्हें अब 4000 से 5000 रुपये बिल थमाया जा रहा है। गुर्जर ने कहा बीजेपी जब से सत्ता में आई है। लोग अनेक समस्याओं से पिस रहे हैं। बिजली, पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं न मिलने से हरियाणा में त्राही त्राहि मची हुई है। किसान नेता ने कहा कि बिजली की दरें महंगी होने से लोगों को भारी भरकम बिल मिलने लगे हैं। निगम ने 75 रुपए प्रति किलो वाट फिक्स चार्ज भी इसमें जोड़ दिया है। यानी 10 किलोवाट कनेक्शन पर अब हर महीने 750 रुपए अतिरिक्त देने पड़ रहे हैं। पहले दरें स्लैब वाइज थीं। यानी 50 यूनिट या इससे ज्यादा बिजली इस्तेमाल करने पर 2.50 रुपए से 6.30 रुपए प्रति यूनिट खर्च होता था। अब 5 किलो वाट से अधिक लोड होने पर 6.50 से 7.50 रुपये प्रति यूनिट वसूला जा रहा है। स्लैब वाइज बिजली के दामों में 20 से लेकर 40 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी हुई है। इतना ही नहीं, विभिन्न कैटेगरी के लिए बनाए गए स्लैब में भी बदलाव किया गया है। गुर्जर ने कहा बिजली की बढ़ी हुई दरें पहली अप्रैल से चुपचाप लागू कर दी गयी है। भाजपा राज में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन का काम नहीं किया गया। इसके बावजूद यह सरकार 10 साल से लगातार बिजली की दरों में बढ़ोतरी करती जा रही है।

दादा खेड़ा से सच्चे मन से मांगी हर मुराद होती है पूरी

असंध, 29 जून (दलसिह मान): बल्ला के दादा नगर खेड़ा पर ग्रामीणों के सहयोग से हर वर्ष की तरह गांव की सुख समृद्धि व शांति के लिए

दादा खेड़ा पर हवन यज्ञ भंडारे का आयोजन किया गया । रविवार को सुबह 8:00 बजे दादा खेड़ा परिसर में हवन किया गया । गांव की सुख समृद्धि के लिए समाजसेवी सतवीर मान ने हवन में आहुति दी। हवन बाद बाद भंडारे का आयोजन किया गया । भंडारे में ग्रामीणों सहित आसपास के गांव के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया । दादा खेड़ा प्रबंधक कमेटी के प्रधान वीरेंद्र मान ने बताया कि ग्रामीणों के सहयोग से हर वर्ष की तरह गांव की सुख समृद्धि व शांति के लिए दादा खेड़ा पर हवन भंडारे का आयोजन किया गया । उन्होंने कहा कि सभी ग्रामीणों की आस्था है कि जो भी ग्रामीण दादा खेड़ा से मनोकामना मांगता है उसकी हर मन्नत पूरी होती है । उन्होंने बताया कि नगर खेड़े की सच्चे मन से पूजा अर्चना करने से मनवांछित फल मिलता है और मन की शांति प्राप्त होती है । पूर्व सरपंच बलवान सिंह ने बताया की हर साल इस महीने दादा खेड़ा पर भंडारे और हवन का आयोजन होता है । ग्रामीण जोश के साथ इसमें भाग लेते हैं और यथासंभव योगदान देते हैं । उन्होंने बताया कि गांव में हर रविवार को दादा खेड़ा की पूजा अर्चना की जाती है ताकि परिवार में सुख समृद्धि व शांति बनी रहे । प्रसाद ग्रहण करने के लिए विधायक योगेंद्र राणा के सुपुत्र दक्षु राणा, पूर्व विधायक जिले राम शर्मा, डिप्टी एडवोकेट जनरल धर्मवीर मान, जगदेव पाढा , सुमित नरवाल, रजत लाठर, राजू सगडोया, राजेश शर्मा, सुभाष मान, सत्यनारायण बंसल, सुकरामपाल, वीरेंद्र दुहन इंस्पेक्टर, ने प्रसाद ग्रहण कर दादा खेड़ा पर माथा टेककर धार्मिक लाभ प्राप्त किया । वही कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि को ग्रामीणों द्वारा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया ।इस अवसर पर भूप सिंह बैरागी, रोहतास सैनी, रोहित पांचाल,अशोक मास्टर, संदीप, राजू बंसल, राजा राम , दयानंद, बलराज, सरपंच करमचंद, पूर्व सरपंच बलवान, वीरेंद्र मान मुख्य रूप से मौजूद रहे ।

बरवाला पुल के पास जांच पड़ताल के दौरान ट्रैफिक पुलिस हांसी ने बुलेट पटाखा का 28 हजार रुपए का चालान किया

हांसी,29 जून (मनमोहन शर्मा): पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन भा.पु.से. के दिशा-निर्देशों के अनुसार ट्रैफिक पुलिस हांसी ने यातायात नियमों के उल्लंघन के मामलों में सख्ती दिखाते हुए एक बुलेट चालाक का 28 हजार रुपए का चालान किया। ट्रैफिक एसएचओ सुनील कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि नियमित चेकिंग के दौरान नेशनल हाईवे नजदीक बरवाला पुल पर एक बुलेट मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को कागजात जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान पाया गया कि उसकी बाईक से पटाखा की आवाज निकल रही थी। ट्रैफिक पुलिस ने इस उल्लंघन के आधार पर बाइक का कुल 28 हजार रुपए का चालान किया। पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने आमजन से अपील की है कि वे सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें और स्वयं की व दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह जानलेवा भी हो सकता है।

राजस्थान जयपुर के रामनगर से पार्ट टाइम जॉब के नाम 5,67,000 धोखाधड़ी मामले में चौथा आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया

हांसी,29 जून (मनमोहन शर्मा): पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन भा.पु.से. के दिशा निर्देश अनुसार अपराधों पर लगाम लगाते हुए थाना साइबर क्राइम हांसी पुलिस ने पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 567000 की धोखाधड़ी मामले में चौथे आरोपी कमलेश उर्फ कमल पुत्र हीरालाल निवासी रामनगर जयपुर राजस्थान को गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रवक्ता कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आरोपी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर संदीप शर्मा पुत्र रणबीर शर्मा गांव गढी तहसील हाँसी के दिनांक 4 जनवरी 2025 को Whatsapp न. पर मोबाईल न. ××××× से पार्ट टाईम Job करके पैसा कमाने का मैसेज भेजा था। मैसेज भेजकर अपना नाम सुनिता शर्मा कम्पनी का नाम ब्रांड मार्क एसोसिएट प्राईवेट लिमिटेड बताया था। फिर एक लिंक भेज कर टेलीग्राम पर इनवाइट करके विभिन्न होटलों के लिंक भेजकर रेटिंग देने का काम दिया था। उसके बदले में हर रेटिंग पर 120/- रुपये दिये गये। इस प्रकार उसके खाते मे 240-240 रुपये करके कई बार रुपए डाले। फिर दिनांक 6 जनवरी 2025 को ट्रेडिंग का लालच देकर लिंक भेजकर कहा कि आप ये ग्रुप जॉइन कर लो आपका पैसा डबल हो जाएगा। इसके बाद कई upi न. में पैसा ट्रांसफर करवा लिया जो पैसा भेजे गए लिंक पर दिख रहा था और उसके बाद इन्होने बार बार और पैसा देने के लिए फोर्स किया। इनसे अपना पैसा मांगा तो इन्होने कहा के आपको रुपये देने होगे फिर आपके सारे पैसे आपके अकाऊंट में आ जायेंगे। ऐसे करके आरोपियो ने कुल 5,67,000/- रुपए की धोखाधड़ी की है। थाना साइबर क्राइम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस अभियोग में तीन आरोपियो को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करके न्यायालय के आदेशानुसार जेल भेज दिया।

एक जुलाई को 77वें सीए दिवस पर धूमधाम से मनाया जाएगा सीए कर्तव्य उत्सव, मैराथन, पौधारोपण व रक्तदान शिविर का होगा आयोजन

हिसार,29 जून (महेन्द्र गोयल): एनआईआरसी हिसार ब्रांच द्वारा एक जुलाई को 77वें सीए दिवस पर सीए कर्तव्य उत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दिन को यादगार बनाने के लिए विशेष आयोजन किए जाएंगे। एनआईआरसी हिसार ब्रांच के चेयरमैन सीए अमन बंसल ने बताया कि चार्टर्ड अकाउंटेंट समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए सीए कर्तव्य उत्सव के दौरान विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से सामाजिक सरोकार का संदेश दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि एक जुलाई को प्रात: 6 बजे से प्रात: 7 बजे तक मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इसके माध्यम से स्वास्थ्य के लिए विशेष प्रयास करने का आह्वान किया जाएगा। प्रात: 9.30 बजे ध्वजारोहण करके देश के प्रति समर्पण भाव प्रदर्शित किया जाएगा। प्रात: 10 बजे पौधारोपण करके पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जाएगा। इसी कड़ी में प्रात: 10.00 बजे से दोपहर 1 बजे तक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सर्वेश अस्पताल द्वारा निशुल्क नेत्र जांच व स्वास्थ्य जांच शिविर भी लगाया जाएगा। दोपहर 3 बजे से सायं 6 बजे तक वार्षिक रिटर्न से संबंधित नवीनतम जानकारी के लिए माई ढाणी में सेमिनार का आयोजन होगा। इस सेमिनार में सीएस देवेश गोयल गुणवत्तापरक जानकारी प्रदान करेंगे। सीए अमन बंसल ने बताया कि सीए कर्तव्य उत्सव में परिवारों को भी जोड़ा जाएगा। इसलिए रात्रि 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक माई ढाणी में सीए फैमिली फिस्टा का आयोजन होगा। इस दौरान परिवार के सभी सदस्य तीरंदाजी, घुड़सवारी, बॉलिंग, गीत-संगीत, स्टैंड अप कॉमेडी व खेलों का आनंद उठा पाएंगे। फैमिली फिस्टा में हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण किया जा रहा है। इस आयोजन में केवल पंजीकृत सदस्य ही शिरकत कर पाएंगे। उन्होंने बताया कि मैराथन में सबसे पहले पहुंचने वाले 100 प्रतिभागियों को कवरयू कंपनी की तरफ से टी-शर्ट उपहार स्वरूप प्रदान की जाएगी। इस उत्सव के दौरान एसजीएफ सदस्यों के लिए विशेष उपहार भी रहेगा। इसके साथ ही एसबीआई से जुड़े सदस्यों को स्पेशल गिफ्ट किट प्रदान की जाएगी। उत्सव को सफल बनाने में जेएसएल फाउंडेशन, एसबीआई, कवरयू, टैली, सर्वेश हेल्थ सिटी, आदित्य बिरला कैपिटल, दि ब्रदर्स कैटरिंग व एसीईआर की विशेष भूमिका रहेगी। सीए अमन बंसल ने बताया कि इस अवसर पर एनआईआरसी हिसार ब्रांच के वाइस चेयरमैन सीए अजय गोयल, सचिव सीए मुकुल मित्तल, कोषाध्यक्ष सीए राजेश कुमार, हिसार एनआईसीएएसए के चेयरमैन सीए विशेष भारद्वाज, कार्यकारी सदस्य सीए प्रतीक आर्य, कार्यकारी सदस्य सीए सुनील कुमार व एक्स ऑफिशियो मेंबर सीए रतन सिंह यादव सहित स्थानीय इकाई के समस्त सदस्य उपस्थित रहेंगे।

कायापलट किया सतपुला पार्कऔर झील का

लिबर्टी शूज ने कर दिखाया कमाल : करवाया सात सौ साल पुरानी ऐतिहासिक झील को पुनर्जीवित

दो साल पहले गंदा नाला और सूखा पड़ा गंदा क्षेत्र था आज बन गया पर्यटन केंद्र

करनाल,29 जून (सोनी दुआ): लिबर्टी शूज लिमिटेड और संजीव बंसल चैरिटेबल ट्रस्ट के आर्थिक सहयोग से रोटरी क्लब ऑफ साउथ सैंट्रल दिल्ली ने इंटेक के साथ मिल कर भारत की राजधानी दिल्ली में सात सौ साल पुरानी झील को दो सालों में पुनर्जीवित कर दिया। सतपुला झील फिर से जिंदा हो उठी। लिबर्टी शूज केवल कारौबार में ही आगे नहीं हैं,बल्कि सामाजिक सरौकार के साथ पुरातन इतिहास को जीवित करने में भी सबसे आगे हैं। जो झील दो साल पहले गंदा नाला थी। जहां सूखे क्षेत्र में बच्चे क्रिकेट खेला करते थे। उसको कायाकल्प करने का लिबर्टी शूज तथा संजीव बंसल चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली साउथ सैंट्रल तथा इंटेक ने बीड़ा उठाया। दो साल में इसे पूरा कर दिखाया। धरा की कौख सींचने के साथ अपने वजूद को नीले हरे नीर से दिखाने लगी हैं। जीवों

वनस्पतियों की अद्भुत दुनिया के संग इठलाने लगी है। कभी बड़े कैंचमैंट एरिया का पानी इसी बांध से होकर दिल्ली सल्तनत के चौथे शहर जहांपनाह को सिंचित करता था। इस बारे में जानकारी देते हुए लिबर्टी शूज के एमडी शम्मी बंसल ने बताया कि अब तक सवा चार सौ करोड लीटर अमृत तुल्य पानी धरा की कौख को सिंचित कर चुका है। 40 एकड़ में फैले सतपुला पार्क अब पिकनिक स्पार्ट के रूप में विकसित हो चुका है। यहां पर झील तथा दूसरी तरफ डीडीए ने व्यू प्वाइंट बना रखा है। साल 2022 तक झील केवल नाम था सूख चुकी झील के आसपास बच्चों के लिए खेल का मैदान था। राजस्थान में चैक डेम बनाकर भूगर्भ जल को सिंचित करने वाली रोटरी क्लब ने लिबर्टी शूज के सहयोग से इसे पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी ली। इस भागीरथी प्रोजेक्ट को डीडीए और दिल्ली जल बोर्ड के सहयोग से काम शुरू किया। लिबर्टी शूज के एमडी शम्मी बंसल ने बताया कि इस को दो साल में पूरा कर दिया। इसे अब डीडीए को सुपुर्द कर दिया। श्री बंसल ने बताया कि झील को पुनर्जीवित करने राह में सबसे बड़ी चुनौति पानी के स्त्रोत की थी। भूगर्भजल का स्तर साठ मीटर नीचे था। ऐसे में बगल से गुजरने वाले सतपुला नाले के पानी को शोधित कर झील में डालने का निर्णरू लिया गया। इसके लिए ईको इंजीनियर्ड अरण्यदीप और कंस्ट्रक्शन वेटलैंड सिस्टम स्थापित किए गए। नाले से पानी लिफ्ट कर कई चरणों में जैविक रूप से दपचारित कर झील में छोड़ा जाता रहा है। उन्होंने बताया कि इससे झासील में हमेशा पानी बना रहता है। मई 2024 से अब तक चार करोड तीस लाख लीटर पानी भूगर्भ में जा चुका ळैं। झील के नीचे और भूर्गी जल स्त्रोत के बीच का जो सथान सूख चुका था। वह अब सिंचित हैं। पानी में वेहतर ईको सिस्टम विकसति करवाने के लिए गिरई रोहू और कतला प्रजाति की 500 से ज्यादा मछलियां छोड़ी गई हैं। पानी में आक्सीजन का स्तर 5.5 एमजी प्रति लिटर है। पानी की क्वालिटी की जांच नियमित करवाई जाती है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में भी वह चैकडेम बना कर लोागों को पानी के अभाव का समस्या से उवार चुके हैं।

नशा मुक्ति पखवाड़ा मनाया गया एसडी महिला कालेज में

हांसी,29 जून (मनमोहन शर्मा): सनातन धर्म महिला महाविद्यालय में प्राचार्य डॉ सुरेश कुमार गुप्ता की अध्यक्षता व डॉ सविता मलिक, मोनिका

के नेतृत्व में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत तक नशा मुक्त भारत अभियान पखवाड़ा का आयोजन किया गया। एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ज़रूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना एवं आमजन में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अभियान का उद्देश्य समाज में बढ़ते नशे की प्रवृत्ति को रोकनाए युवाओं को जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है। महाविद्यालय में सभी छात्राओं व स्टॉफ स्दस्यों को नशा न करने की शपथ दिलवाई गई । छात्राओं द्वारा परिसर में पोस्टर व बैनर लगाए गए। छात्राओं को ई पलैज के बारे में जागरूक किया गया व सर्टिफिकेट डॉउन लोड करने के लिए कहा गया ।इस अवसर पर डॉ सविता मलिक मोनिका व मिनाक्षी उपस्थित रहीं। प्राचार्य डॉ सुरेश कुमार गुप्ता ने सभी से अपील की कि वे इस अभियान को जन आंदोलन का रूप दें और अपने घर परिवार तथा समाज को नशा मुक्त बनाने में सहयोग करें।

प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से प्रत्येक देशवासी का आत्मबल हुआ है मजबूत : नवीन जिंदल

'मन की बात' ने देश को दी है सकारात्मक दिशा

कुरुक्षेत्र, 29 जून (सुदेश गोयल): सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम से देशवासियों का आत्मबल मजबूत हुआ है। शायद पूरी दुनिया में कोई ऐसा नेता होगा, जो अपने प्रत्येक देशवासी से इस प्रकार सीधा संवाद करता हो। सांसद नवीन जिंदल रविवार को कुरूक्षेत्र की न्यू कॉलोनी के बूथ नंबर 78 पर कार्यकर्ताओं के साथ मन की बात के 123वें संस्करण को सुन रहे थे। सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि मन की बात कार्यक्रम जनभावनाओं का प्रतिबिंब बन चुका है। प्रधानमंत्री मोदी देश के कोने-कोने की प्रेरणादायक संघर्ष की गाथाओं को सामने लाकर अपने देशवासियों को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के प्रति प्रेरित करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि आज के एपिसोड में प्रधानमंत्री ने डॉक्टर, चार्टर्ड अकाउंटेंट, पर्यावरण संरक्षण, युवा, नवाचार, ग्रामीण विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों को उठाया, जिससे देश को नई दिशा और ऊर्जा मिलती है। सांसद नवीन जिंदल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा व्यक्त विचारों को अपने जीवन में अपनाएं और देश को विकास की दिशा में ले जाने में योगदान दें। तभी 2047 तक विकसित भारत का स्वप्न साकार हो सकता है। इस अवसर पर श्याम जुनेजा शक्ति प्रमुख बूथ नंबर 78, न्यू कॉलोनी, कृष्ण लाल अरोड़ा बूथ अध्यक्ष, नरेंद्र जांगड़ा मंडल अध्यक्ष कुरुक्षेत्र, प्रवीण ढींगरा, अशोक शर्मा, प्रमोद अरोड़ा, दीपक अरोड़ा, विनोद अरोड़ा, राजीव सूरी, अशोक शर्मा, पवन ढींगरा, दीपक बठला, वेद तनेजा, सुरेश गाबा, संजीव सीकरी, विनोद गर्ग सदस्य कष्ट निवारण कमेटी और कार्यकर्ता एवं भाजपा पदाधिकारी उपस्थित रहे।

16 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसला कर नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने व ब्लैकमेल करने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 29 जून (दिनेश कुमार): पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए थाना छछरौली पुलिस की टीम ने 16 वर्षीय नाबालिग को बहला फुसला कर जबरदस्ती घर से भगा कर नशीला पदार्थ खिलाकर दुष्कर्म करने व ब्लैकमेल करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। थाना प्रबंधक जगदीश चंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 19 जून को थाना क्षेत्र के एक महिला ने शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी 16 वर्षीय नाबालिक लड़की घर में बिना किसी को बताये कहीं चली गई है। इस शिकायत पर मुकदमा दर्ज करना नाबालिक की तलाश शुरू की गई। दिनांक 22 जून को गुमशुदा लड़की का पिता अपनी लड़की को थाने में लाया। गुमशुदा नाबालिक लड़की ने अपना मेडिकल करवाने से मना कर दिया। दिनांक 25 जून को लड़की की मां ने दोबारा से शिकायत दर्ज करवाई कि उसकी लड़की को गांव बुर्ज जिला अंबाला निवासी ललित उर्फ मोटा पुत्र निर्मल सिंह ने

बहला फुसला कर नशीला पदार्थ खिलाकर लड़की के साथ गलत काम किया है। शिकायतकर्ता ने बताया कि दिनांक 19 जून को उसकी बेटी स्टेडियम में जा रही थी तो आरोपी उसको मिल गया और उसकी लड़की को बहला फुसला कर चॉकलेट दी उसमें नशीला पदार्थ खाकर उसकी लड़की बेसुध हो गई जिसको वह अपने अन्य साथी के साथ बाइक पर बिठाकर ले गए। लड़की के बेसुध हालत का मौका देकर उसने उसके साथ गलत काम किया है। जब लड़की को होश आया तो वह रोने लगी। उसने लड़की को धमकी दी कि तेरी अश्लील फोटोग्राफ मेरे पास हैं अगर तूने किसी को बताया तो इसको सोशल मीडिया पर वायरल करके तुझे व तेरे परिवार को बदनाम कर देंगे। उसकी नाबालिक लड़की डरी सहमी रही कुछ देर बाद हिम्मत करके उसने सारी बात उसको बताई। इस शिकायत पर नाबालिक का जब मेडिकल करवाया तो मेडिकल में उसके साथ गलत काम होने की पुष्टि की गई। जिस पर थाना छछरौली में पोक्सो सहित अन्य धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया। गया। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए एएसआई मंजीत कौर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। टीम ने तुरंत कार्यवाही करते हुए गांव बुर्ज जिला अंबाला निवासी ललित उर्फ मोटा पुत्र निर्मल सिंह को गिरफ्तार किया। आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

सम्पादकीय

चुनाव आयोग के जरिए एनआरसी लागू?

बिहार से शुरू हुई चुनाव आयोग की नई मतदाता सूची पुनरीक्षण प्रक्रिया ने देश की लोकतांत्रिक नींव को हिला दिया है। इस प्रक्रिया के तहत राज्य के बाहर से आने वाले नागरिकों को यह शपथ पत्र देना होगा। उनका जन्म 1 जुलाई 1987 से पहले भारत में हुआ था। साथ ही प्रमाणित करने वाले दस्तावेज भी प्रस्तुत करने होंगे। चुनाव आयोग की इस कार्रवाई से मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए न केवल पुराने और दुर्लभ दस्तावेज मतदाताओं को देना होगा। आम आदमी, खासकर गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यकों को मतदाता सूची से बाहर निकालने का यह एक सुनियोजित प्रयास का आरोप विपक्षी दल लगा रहे हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इसे एनआरसी से भी खतरनाक बताते हुए चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को चेतावनी दी है। उन्होंने इसे भारत के लोकतंत्र पर एक घातक हमला बताया है। उनका आरोप है चुनाव आयोग की इस कार्यवाही से गरीबों और प्रवासी मजदूरों को मतदान अधिकार से वंचित करने की यह एक साजिश है। असदुद्दीन ओवैसी ने भी इसे गुप्त एनआरसी बताते हुए विरोध दर्ज कराया है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इसे सीधा गरीबों और वंचित तबकों के मत के अधिकार को छीनने का कृत्य बताया है। चुनाव आयोग इस कार्यवाही के पीछे जो तर्क दे रही है। उसके अनुसार, मतदाता सूची की शुद्धता के लिये संविधान की मूल भावना को ही दरकिनार करने जैसा कदम माना जा रहा है। वोट डालना हर नागरिक का अधिकार है। मतदाता से ऐसे साक्ष्य की मांग करना, जो अधिकांश नागरिकों के पास नहीं है। गरीबों और मजदूरों के परिवारों की स्थिति इस तरीके की नहीं है। वह इस तरीके के दस्तावेज संभाल कर रख सकें। एक तरह से मत के अधिकार से इस प्रक्रिया से करोड़ों लोग वंचित हो सकते हैं। अगर यह कवायद सचमुच निष्पक्षता के नाम पर है तो ऐसी स्थिति में केंद्र सरकार जाति जनगणना जैसे अहम सामाजिक उपायों से सरकार पीछे क्यों हट रही है। क्यों दस्तावेजों के नाम पर उन्हीं तबकों को निशाना बनाया जा रहा है। जो गरीब है, मजदूर हैं, लगातार जीवन यापन के लिए यहां से वहां भागते रहते हैं। जो बड़ी संख्या में मतदाता के रूप में दर्ज हैं। जिनके पास संसाधनों की सबसे ज्यादा कमी है। इस कार्यवाही से चुनाव आयोग की भूमिका और निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके विरोध में सभी राजनीतिक विपक्षी दलों द्वारा एकजुट होकर विरोध करना शुरू कर दिया गया है। लोकतंत्र की रक्षा के लिए यह पहला और आवश्यक कदम है। चुनाव आयोग के इस निर्णय का अभी विरोध नहीं किया गया तो ऐसी स्थिति में भविष्य में हर नागरिक के मौलिक अधिकारों पर सबसे बड़ा खतरा उत्पन्न होगा। चुनाव आयोग की यह सिर्फ एक दस्तावेज़ी प्रक्रिया नहीं है। चुनाव आयोग द्वारा किया गया यह संविधान की आत्मा पर प्रहार है। जिस देश में करोड़ों लोग नदी के किनारे रहते हों, हर साल बाढ़ आती हो, रोजगार के लिए उन्हें अपना घर छोड़कर सैकड़ों और हजारों किलोमीटर दूर जाना पड़ता हो, जहां घर में जन्म हो जाते हैं, जिन्होंने कभी अस्पताल का मुंह नहीं देखा हो, जो कभी स्कूल नहीं गए हैं, उन्हें कागजों की समझ नहीं है। समझ है भी तो वह संभाल कर नहीं रख पाते हैं क्योंकि उनके पास उन कागजों की कोई अहमियत नहीं है। एकाएक चुनाव आयोग ने जिस तरह से बिना राजनीतिक दलों के साथ सलाह-मशविरा किए हुए बिहार की मतदाता सूची का शुद्धिकरण करने की बात कही है यह शायद ही किसी को स्वीकार हो। अभी काम शुरू भी नहीं हुआ है, और विरोध शुरू हो गया है। चुनाव आयोग जब चुनाव के नियमों में कोई परिवर्तन करता है, कोई नई व्यवस्था लागू करता है उसकी जिम्मेदारी होती है कि वह सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लेकर निर्णय करे। जिस तरह से चुनाव आयोग विपक्षी दलों के निशाने पर है, ऐसे समय में लाखों मतदाताओं को मतदाता सूची से बाहर करने का जो प्रयास चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है उसकी तीव्र प्रतिक्रिया स्वाभाविक है। चुनाव आयोग को समय रहते इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

जीवन में दर्द अस्थायी होता है

एक राजा ने अपने सभी सलाहकारों को बुलाया और कहा, मैं चाहता हूं कि मैं अंदर से स्थिर बना रहूं। जीवन के उतार-चढ़ाव मेरा संतुलन बिगाड़ देते हैं। तुम कोई ऐसी चीज बताओ जिससे दुख की अवस्था से गुजरते हुए मैं खुशी पा सपूं और जब मैं आनंद की अवस्था में होऊं, तो वह चीज मुझे दुखों की याद दिलाती रहे। ऐसी चीज खोजो जो मैं अपने पास रख सपूं ताकि मेरे चारों ओर कुछ भी घटता रहे, पर मैं शांत-स्थिर रह सपूं। सभी सलाहकार मिलकर बैठे और उन्होंने विचार-विमर्श किया। अंत में वे एक बक्सा लेकर राजा के पास गए- महाराज, आप इस बक्से को खोलें। राजा ने उसे खोला तो उसमें एक छोटी अंगूठी मिली। उन्होंने राजा से कहा, इस पर जो लिखा है,उसे पढ़ें। अंगूठी पर लिखा था- यह समय भी बीत जाएगा। इन पांच सादे लफ्जों से राजा को बड़ी मदद मिली। हमें भी संतुलन बनाए रखने में इनसे मदद मिल सकती है। जब हम बहुत आनंद में हों, तब याद रखने की जरूरत है कि चीजें हर समय ऐसी नहीं रहेंगी और जब खुशहाल वक्ति गुजर जाए तो हमें निराश या हतोत्साहित नहीं होना चाहिए। हमें ये पांच सादे लफ्ज याद दिला सकते हैं कि दर्द अस्थायी है और खुशहाली फिर लौट आएगी। सभी जीवन में उतार-चढ़ाव का सामना करते हैं। ये जीवन के अभिन्न अंग हैं। इनसे बचा नहीं जा सकता। प्रश्न यह है कि जीवन-पथ पर जब हम ऊंच-नीच का सामना करेंगे तो क्या हम मन की शांति खोकर अस्थिर हो जाना चाहेंगे ? अगर हम खुद को जिंदगी में घटने वाली हर घटना से प्रभावित होने देंगे तो हम आनंद की ऊंचाइयों से घोर निराशा की गहराइयों में पहुंच जाएंगे लेकिन अगले ही क्षण वापस आनंद की अवस्था में होंगे। इस लगातार बदलाव से अक्सर भय, तनाव और आतंक पैदा होता है क्योंकि हमें कभी यह पता नहीं होता कि आगे क्या होगा। समय के साथ, भय और तनाव की यह अवस्था हमारे स्वभाव का हिस्सा बन जाती है और हम शांत या तनाव रहित नहीं हो पाते। ध्यान और प्रार्थना के द्वारा हम शांत स्थान पर पहुंच सकते हैं। हमारे अंतर में समस्त दैवी खजाने हैं। हम मात्र शरीर और मन नहीं हैं, बल्कि हम आत्मा हैं। आत्मा ज्योति, प्रेम और आनंद से भरपूर है। यह हर समय प्रभु से जुड़ी रहती है।

एससीओ में रक्षा मंत्री राजनाथ का चीन-पाक को सख्त संदेश

ललित गर्ग

भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चीन के पोर्ट सिटी किंगदाओ में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान को बेनकाब करते हुए संयुक्त घोषणापत्र में हस्ताक्षर करने से मना कर न केवल पाकिस्तान और चीन को नये भारत का कड़ा संदेश दिया, बल्कि दुनिया को भी जता दिया कि भारत आतंकवाद को पोषित एवं पल्लवित करने वाले देशों के खिलाफ अपनी लड़ाई निरन्तर जारी रखेगा। घोषणापत्र में बलोचिस्तान की चर्चा की गई थी किन्तु पहलगाम के क्रूर आतंकवादी हमले जिनमें धर्म पूछकर 26 लोगों को मारे जाने का कोई विवरण नहीं था। भारत की आतंकवाद को लेकर दोहरे मापदंड के विरुद्ध इस दृढ़ता एवं साहसिकता की चर्चा विश्वव्यापी हो रही है। भारत ने विश्व को आगाह कर दिया है कि अब आतंकवाद के मुद्दे पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे। राजनाथ सिंह के अडिगता एवं असहमति के इस कदम से एससीओ के रक्षामंत्रियों का सम्मेलन बिना संयुक्त वक्तव्य जारी किये ही समाप्त हो गया, जो पाकिस्तान एवं चीन के मुंह पर करारा तमाचा है। ऐसा होना भारत की ही जीत है और चीन-पाकिस्तान के लिये शर्मसार होने की घटना है। विशेषत: इस घटनाक्रम से चीन की बदनीयत एक बार फिर से उजागर हो गई है। भारत विश्व स्तर पर इस कोशिश में लगा रहता है कि आतंकवाद का दबाव कम हो, दुनिया आतंकमुक्त बने, निर्दोष लोगों की क्रूर आतंकी हत्याओं पर विराम लगे, पर दुर्भाग्य से दुनिया में अनेक देश अपना राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर ही इस पर अपना रुख तय करते हैं। वास्तव में एससीओ की बैठक में भी यही हुआ है। त्रासद विडंबना है कि एससीओ में शामिल देशों ने भारत में पडोसी देश पाक की आतंक घटनाओं पर विसंगतिपूर्ण एवं दुर्भाग्यपूर्ण रवैया अपनाया। वास्तव में, यह एक और प्रमाण है कि पाक पोषित आतंकवाद संबंधी भारतीय शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इस बीच, अमरनाथ यात्रा से ठीक एक सप्ताह पहले गुरुवार को उधमपुर जिले में सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ सोचने पर मजबूर करती है। पाक की आतंकी हरकतें रूक नहीं रही है, अमरनाथ यात्रा पहले ही आतंकियों के निशाने पर रही है और इस बार भी आतंकियों के निशाने पर है, विगत तीन दशक से तनाव की स्थिति में ही अमरनाथ यात्रा हो रही है। सुरक्षा बल शांतिपूर्ण यात्रा के लिए प्रयासरत हैं लेकिन एससीओ जैसे संगठनों को पाक को सख्त हिदायत देते हुए यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भारत में पाक समर्थित आतंकवाद रूकना चाहिए।

निश्चित ही एससीओ सम्मेलन में भारत के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह एक निडर एवं साहसिक नेता के रूप में उभरे। उन्होंने आतंकवाद की जड़ों पर प्रहार करने की भारत की नई नीति की रूपरेखा सम्मेलन में रखी। उनका कहना था कि संगठन के सदस्य देशों को आतंकवाद जैसी सामूहिक सुरक्षा से उत्पन्न चुनौती के मुकाबले के लिये एकजुट होना चाहिए। उनका मानना था कि कट्टरता, उग्रवाद और आतंकवाद दुनिया में शांति, सुरक्षा और विश्वास को कम कर रहे हैं। यह भी कि आतंकवाद पर तार्किक प्रहार किए बिना सदस्य देशों में शांति व समृद्धि संभव नहीं है। उन्होंने उन तत्वों को बेनकाब करने का प्रयास किया जो आतंकवाद को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल करने के लिये उसे प्रश्रय देते हैं। उनका मानना था कि एससीओ आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अपनाने के बजाय इसको प्रश्रय देने वाले देशों की आलोचना करे, आतंकवाद को समाप्त करने की मुहिम में निष्पक्ष बने। यह भी अच्छा हुआ कि रक्षामंत्री इस पर भी अड़े रहे कि एससीओ में आतंक का समर्थन करने वाले देशों की निंदा एवं भर्त्सना होनी चाहिए। इसका अर्थ था कि पाकिस्तान को बख्शा न जाए, लेकिन चीन ने आशंका के अनुरूप ढिठाई एवं बदनियत ही दिखाई। चीन लगातार पाक के आतंकवाद पर सहयोगी दृष्टिकोण अपनाये हुए है। उसे आतंकवाद के खिलाफ सख्त होना चाहिए लेकिन वह पहले भी आतंकवाद के प्रति नरमी दिखा चुका है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वह पाक के आतंकी सरगनाओं का बचाव कर चुका है। इससे उसकी बदनामी भी हुई थी, लेकिन उस पर कोई असर नहीं पड़ा। चीन आतंक को लेकर जितना संवेदनशील होना चाहिए, पाक के कारण वह उतना नहीं हो पा रहा है। इससे उनकी अन्तर्राष्ट्रीय छवि आहत हो रही है, लेकिन वह सुधरने को तैयार नहीं है। यह स्पष्ट है कि एससीओ में चीन-पाक के बीच बढ़ते शरारत भरे तालमेल पर भारत को इस संगठन में अपनी भूमिका को लेकर सतर्क एवं सावधान होना होगा। भारत को यह भी देखना होगा कि विस्तार ले रहे इस संगठन में अपनी महत्ता कैसे स्थापित करे। यह ठीक है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने रवैये के कारण चीन भारत से संबंध सुधारना चाहता है और कुछ मामलों में अपना रुख बदलने के लिए विवश भी हुआ है, पर इसका यह मतलब नहीं कि वह भारत के हितों की अनदेखी करे या फिर अमेरिका एवं पश्चिम के अन्य देशों की तरह आतंकवाद पर दोहरा रवैया अपनाए और आतंक के समर्थक पाक का सहयोग एवं समर्थन जारी रखे। भारतीय नजरिये से देखें, तो अमेरिका और चीन, दोनों ही भारत में आतंकवाद के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। भूलना नहीं चाहिए, पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति ने पाक सैन्य जनरल का अपने भवन में भोज के साथ स्वागत किया है। ऐसे घटनाक्रमों से भारत के लिए संदेश साफ है कि वह आंतरिक स्तर पर आतंकियों के लिये अपने संघर्ष को तीखी धार दे। भारत को अपनी आर्थिक एवं सैन्य ताकत बढ़ानी होगी, तभी आतंकवाद को कुचला जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ उसे अकेले की संघर्षरत रहना होगा। दरअसल, एससीओ सम्मेलन में भारत चाहता था कि अंतिम दस्तावेज में आतंकवाद को लेकर भारतीय चिंताओं को जगह दी जाए। इसीलिये सम्मेलन में रक्षामंत्री ने ऑपेरशन सिंदूर की तार्किकता को बताया और पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम की घटना दुनिया के सामने स्पष्ट थी और दुनिया के तमाम देशों ने इसकी निंदा भी की। इसी से दो देशों के बीच युद्ध की नौबत आ गई, एससीओ सम्मेलन में उस हमले को तवज्जो न देने की रणनीति दरअसल हकीकत के साथ मखौल एवं दौगलापन है। लेकिन सम्मेलन में रक्षामंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जी-7 शिखर सम्मेलन में कही उन बातों को ही विस्तार दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को कभी पुरस्कृत नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने यह आश्चर्य जताया था कि आतंक के अपराधियों और इसके पीड़ितों को एक तराजू में कैसे तोला जा सकता है? यह कड़ा संदेश प्रधानमंत्री ने अमेरिका को दिया था। पाक और उसके करीबी सहयोगियों के नापाक इरादों को दुनिया को बताने तथा भारत की बात हर देश तक पहुंचाने के लिए भारत ने बहु-पक्षीय प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर में भेजे। लेकिन पाक के सदाबहार दोस्त चीन के दबदबे वाले एससीओ सम्मेलन में पाक के आतंकी मनसूंबों को लेकर स्पष्ट नजरिया बनना जरूरी है।

बेटियों के लिए मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

ललित गर्ग

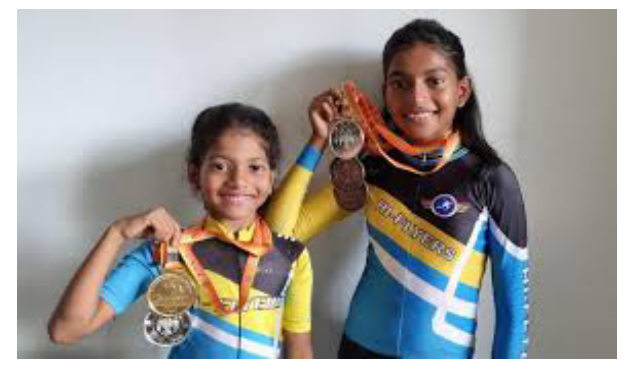

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवत: लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवत: बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं।'द इकोनॉमिस्ट' द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है, और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है। वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिये लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। इक्कीसवीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिये अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवेदनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी चल जाए कि लड़की यानी बालिका प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं। भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया।आंकड़े बता रहे हैं कि देश में शिशु लिंग अनुपात दर में सुधार हुआ है।जन्म से पहले ही पता लग जाए कि लड़की यानी बालिका पैदा होगी तो माता-पिता उसकी जान लेने से भी नहीं कतराते। कन्या भ्रूण हत्या की बढ़ती घटनाएं इसी सोच का परिणाम बनी। पिछली सदी में समाज के एक बड़े वर्ग में यह एक विभीषिका ही थी कि परिवार की धुरी होते हुए भी नारी को वह स्थान प्राप्त नहीं था जिसकी वह अधिकारिणी थी। उसका मुख्य कारण था सदियों से चली आ रही कुरीतियाँ, अंधविश्वास व बालिका शिक्षा के प्रति संकीर्णता। कितनी विडम्बना है कि देश में हम 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा बुलन्द करते हुए एक जोरदार मुहिम चला रहे हैं उस देश में लगातार बालिकाओं की संख्या घटने का दाग लगता रहा है। यह दाग 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के संकल्प पर भी लगा है और यह दाग हमारे द्वारा नारी को पूजने की परम्परा पर भी लगा है।

अच्छे भविष्य के लिए हम बेटियों की पढ़ाई से ही सबसे ज्यादा उम्मीदें बांधते हैं। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसे नारे हमारे संकल्प को बताते हैं, हमारी सदिच्छा को दिखाते हैं, भविष्य को लेकर हमारी सोच को जाहिर करते हैं, लेकिन वर्तमान की हकीकत इससे उलट है, इसे बदलने में अभी भी लम्बा सफर तय करना होगा।

ईरान और इजराइल में युद्ध से नुकसान के लिए अमेरिका जिम्मेवार

- संजय गोस्वामी

यूरेनियम का 400 किलोग्राम भंडार - जो 10 परमाणु हथियार बनाने के लिए पर्याप्त है, संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी प्रसारक एबीसी न्यूज को बताया - पिछले सप्ताह वाशिंगटन द्वारा तीन ईरानी परमाणु सुविधाओं पर छह बंकर बस्टर गिराए जाने के बाद लापता हो गया है। गायब यूरेनियम - जिसे ईरान के लिए एक शक्तिशाली सौदेबाजी चिप के रूप में देखा जाता है, जब भी वह अमेरिका के साथ नए परमाणु समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने का विकल्प चुनता है - 60 प्रतिशत तक समृद्ध है। परमाणु हथियार के रूप में उपयोग किए जाने के लिए इसे लगभग 90 प्रतिशत तक समृद्ध किया जाना चाहिएऐसी रिपोर्टें हैं कि ईरान ने हमले से कुछ दिन पहले ही भंडार के साथ-साथ कुछ उपकरणों को गुप्त स्थान पर ले जाया होगा, यह दावा ईईरान अगर परमाणु हथियार हासिल कर लेता है, तो यह मध्य पूर्व और आस-पास के क्षेत्रों के लिए व्यापक रूप से अस्थिरकारी होगा। पहली चिंता यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से इजरायल के लिए एक बड़ा, शायद अस्तित्वगत खतरा पैदा हो जाएगा - एक ऐसी चिंता जिसने इजरायल को जून 2025 में ईरान के परमाणु और सैन्य प्रतिष्ठानों पर बड़े पैमाने पर हमला करने के लिए प्रेरित किया। अन्य विदेश नीति विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ईरान इजरायल पर परमाणु हमला करता है, तो वह अपनी खुद की मौत सुनिश्चित कर लेगा, जो अमेरिका का करीबी रक्षा साझेदार है और जिसके पास खुद के परमाणु हथियार हैं, जो अघोषित हैं। विश्लेषकों का कहना है कि किसी भी तरह से, गलत अनुमान लगाने की खतरनाक संभावना होगी, जिसके परिणामस्वरूप परमाणु आदान-प्रदान हो सकता है। एक अतिरिक्त चिंता यह है कि ईरान के पास परमाणु हथियार होने से सऊदी अरब सहित अन्य क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी अपने स्वयं के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।अमेरिका के हमले से पहले की सैटेलाइट तस्वीरों में फोर्डो परमाणु संयंत्र के बाहर 16 ट्रकों की कतार दिखाई दी, जो एक पहाड़ के अंदर बना है और इसे ज़्यादातर मिसाइल हमलों के लिए अभेद्य माना जाता है, जिसके कारण इजरायल ने अमेरिका से रविवार की सुबह अपने बी-2 स्पिरिट बमवर्षक और जीबीयू-37 बंकर बस्टर बम तैनात करने के लिए कहा।जरायली अधिकारियों ने न्यूयॉर्क टाइम्स से दोहराया है। बम फोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान परमाणु सुविधाओं पर गिराए गए।हमले के बाद की तस्वीरों में तीनों को काफ़ी नुकसान हुआ, लेकिन ट्रक गायब थे।अमेरिका के बंकर बस्टर हमले से पहले और बाद में ईरान की फोर्डो परमाणु सुविधा की तस्वीरें से पता चलता है कि नुकसान हुआ है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि क्या ले जाया गया और इसे कहाँ ले जाया गया, हालाँकि अमेरिका और इज़राइल का दृढ़ विश्वास है कि इसे प्राचीन राजधानी इस्फ़हान के पास एक अन्य भूमिगत भंडारण सुविधा में ले जाया गया था।अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी, एक वैश्विक परमाणु निगरानी संस्था - के प्रमुख राफेल ग्रॉसी के अनुसार, ईरान पर इज़राइल के पहले हमले से एक सप्ताह पहले इसका अंतिम निरीक्षण किया गया था।

पिछले सप्ताह ग्रॉसी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से कहा कि यह आवश्यक है कि द्वश्व जल्द से जल्द निरीक्षण फिर से शुरू करे।दुनिया को यह भी चेतावनी दी कि निरंतर सैन्य वृद्धि हेतु रक्षा बजट बढ़ाने को कहा क्योंकि इससे अपरिहार्य कार्य में देरी करती है और ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए राजनयिक समाधान की संभावनाओं को कम करती है।क्या ईरान के पास वास्तव में परमाणु हथियार हैं, या हथियार-ग्रेड परमाणु सामग्री है ये अब क्यों आ रहा ईरान ने लंबे समय से जोर देकर कहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।लेकिन दावा है कि वह परमाणु हथियार बना रहा है, यह इज़राइल द्वारा अपने हमले से पहले लहराया गया लाल झंडा था।

इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने परमाणु अप्रसार संधि से हटने की धमकी दी, जो परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रणाली का हिस्सा है। ईरान के उप विदेश मंत्री तख्त रवांची ने इस दावे को खारिज कर दिया कि कार्यक्रम को छोड़ दिया जाएगा। कोई भी हमें यह नहीं बता सकता कि हमें क्या करना चाहिए...उस पहाड़ की उपग्रह छवि जिसके भीतर फोर्डो परमाणु संयंत्र बनाया गया है।हालाँकि, इस संबंध में अमेरिकी कथन थोड़ा भ्रमित करने वाला रहा है।पिछले सप्ताह सिएंनएन की एक रिपोर्ट के अनुसार, इजरायल के मिसाइल हमलों के पहले दौर के बाद अमेरिकी खुफिया ने सुझाव दिया कि ईरान परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं कर रहा है, और इसे बनाने में कम से कम तीन साल लगेंगे।

इंटेल ने यह भी सुझाव दिया कि इजरायल के हमलों ने ईरान को केवल कुछ महीनों के लिए पीछे धकेल दिया है, मुख्यत: इसलिए क्योंकि अनुसंधान का बड़ा हिस्सा फोर्डो जैसे ठिकानों में गहराई से भूमिगत था, जिन्हें इजरायली मिसाइलें नुकसान नहीं पहुँचा सकतीं।

हरियाणा की भाजपा सरकार दलित विरोधी नीतियों को दे रही है बढ़ावा : कृष्ण जमालपुर

कैथल,29 जून (प्रवेश बहादुर): बहुजन समाज पार्टी हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष कृष्ण जमालपुर ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा है कि आज़ादी के 75 वर्षों बाद भी दलित प्रतिनिधि अपने समाज के नहीं बल्कि पार्टी के एजेंडे के प्रतिनिधि बनकर रह गए हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर द्वारा दलितों की सबसे बड़ी राजनीतिक हार बताए गए पूना पैक्ट के दुष्परिणाम आज भी दलित समाज भुगत रहा है। जमालपुर ने आरोप लगाया कि हरियाणा के सामाजिक न्याय राज्यमंत्री कृष्ण बेदी और भाजपा नेता कृष्ण लाल पवार आरएसएस की विचारधारा के पोषक हैं और डॉ. अम्बेडकर की विरासत का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने बेदी द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को दलितों का भाग्यविधाता बताने को निंदनीय और अम्बेडकरवाद से विश्वासघात बताया। उन्होंने कहा कि हरियाणा के विश्वविद्यालयों में आरक्षण नीति और रोस्टर प्रणाली में भारी अनियमितताएं हैं फिर भी सरकार और मंत्री चुप हैं। एम.डी.यू. सहित अनेक संस्थानों में दलितों के लिए आरक्षित पद खाली पड़े हैं या जानबूझकर उन्हें भरने में बाधा डाली जा रही है। उन्होंने विश्वविद्यालयों में दलित वाइस चांसलर की अनुपस्थिति, रोस्टर में हेराफेरी, तथा सेवा विभाग की भूमिका पर भी गंभीर सवाल उठाए। बीएसपी नेता कृष्ण जमालपुर ने कहा कि सत्ता में बैठे तथाकथित दलित नेता अब अम्बेडकरवाद के अनुयायी नहीं सत्ता के दलाल बन गए हैं। दलित समाज को रेवड़ियाँ नहीं बल्कि संवैधानिक अधिकार चाहिए। उन्होंने कहा की बीएसपी की माँग है कि विश्वविद्यालयों में आरक्षण नीति की सख्ती से पालना हो। बहुजन समाज पार्टी प्रदेश सचिव डॉ मनोज ग्रोवर ने कहा कि सनसनी मेरा देश वर्तमान समय में प्रदेश में लगभग चौबीस सरकारी विश्वविद्यालय है आरक्षण प्रणाली के हिसाब से अनुसूचित जाति वर्ग के पांच पद कुलपति और पांच पद रजिस्ट्रार के बनते हैं की प्रदेश के किसी भी विश्वविद्यालय में अनुसूचित जाति वर्ग से कुलपति की नियुक्ति नहीं की गई है और न ही रजिस्ट्रार के पद पर उचित प्रतिनिधित्व दिया गया है जो प्रदेश सरकार की दलित विरोधी मानसिकता को दर्शाता है, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में वर्ष 1976 से अब तक का वास्तविक रोस्टर सार्वजनिक किया जाए, बैकलॉग भर्तियों को प्राथमिकता से भरा जाए और अनुसूचित जाति एवं पिछड़े वर्ग को प्रशासनिक पदों पर समान अवसर मिले। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जवाब नहीं दिया तो दलित समाज सड़कों पर उतर कर आंदोलन करेगा और चुनावों में इसका माकूल जवाब देगा।

विद्युत ध्यान करने से प्राण ऊर्जा का जागरण होता है : आचार्य कृष्ण उत्सव

हिसार, 29 जून (महेन्द्र गोयल): समर्थगुरू धारा के तत्वाधान में समर्थगुरू धारा संघ ने कौशिक नगर स्थित साधना केंद्र में आज संडे ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया। आज का सेशन आचार्य कृष्ण

उत्सव ने लिया जिसमें उन्होंने विद्युत ध्यान करवाया। आचार्य ने विद्युत ध्यान करवाते हुए कहा कि यह विचार इस पर आधारित हो सकता है कि मानव शरीर एक ऊर्जा प्रणाली है और ध्यान के समय हम अपनी आंतरिक ऊर्जा (प्राण/विद्युत) को जाग्रत और संतुलित करते हैं। इसमें ध्यान के दौरान कुछ लोग कल्पना करते हैं कि उनके शरीर में विद्युत तरंगें प्रवाहित हो रही हैं। कुछ लोग इसे कुंडलिनी जागरण जैसी विद्युत-जैसी ऊर्जा के रूप में भी अनुभव करते हैं। कई आधुनिक ध्यान विधियाँ भी विद्युत कंपन या तरंगों के सिद्धांत पर आधारित होती है। इस ध्यान को करने से शांति और आनंद की प्राप्ति के साथ भय और चिंता से मुक्ति मिलती है। आज सभी ने ध्यान को बहुत ही सहज तरीके से किया और अपने आप को बहुत ही ऊर्जावान महसूस कर रहे थे। विद्युत ध्यान के प्रकार और तकनीकें विभिन्न हो सकती हैं और यह आध्यात्मिक गुरु या आध्यात्मिक शिक्षक के मार्गदर्शन में किया जाता है। यह ध्यान प्रणाली शारीरिक, मानसिक, और आध्यात्मिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रभावी मानी जाती है, लेकिन इसे अनुभव करने के लिए धैर्य, समर्थन और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है। ज्ञात हो कि प्रत्येक रविवार सुबह 7 से 9 बजे समर्थगुरू धारा संघ हिसार अपने साधना केंद्र मिर्जापुर रोड, कौशिक नगर में ध्यान के कार्यक्रम का आयोजन करता है, जोकि सभी के लिए निःशुल्क होता है और प्रशिक्षित आचार्य ही वो ध्यान का सेशन लेते हैं। ध्यान के बाद समर्थगुरू धारा संघ की बैठक हुई जिसमें आगामी होने वाले कार्यक्रमों के बारे में चर्चा की गई। मुख्य तौर पर 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा महोत्सव पर मुरथल आश्रम में भव्य कार्यक्रम होने जा रहा है जिसमें देश विदेश से हजारों साधक आएंगे।

एससी व पिछड़ा वर्ग की धर्मशालाओं में 75 प्रतिशत अनुदान पर लगेंगे सोलर पैनल : सोनू भट्ट

करनाल, 29 जून (सुनील कुमार): अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग व हरेडा के माध्यम से ऊर्जा संरक्षण एवं सौर ऊर्जा को बढावा देने के लिए सभी सरकारी भवनों में ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट लगाने की योजना लागू की है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा जिला की पंजीकृत अनुसूचित जाति व पिछड़े वर्ग की धर्मशालाओं में 75 प्रतिशत अनुदान पर ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट लगाए जाएंगे। इसकी 25 प्रतिशत राशि सम्बंधित संस्था द्वारा वहन की जाएगी। इन धर्मशालाओं में बिना बैटरी बैंक के 5 किलोवाट तक के सोलर पावर प्लांट लगाये जायेंगे। इस योजना का पहले आओ पहले पाओ के आधार पर लाभ मिलेगा। इच्छुक सामाजिक संस्थाओं का नीति आयोग के दर्पण पोर्टल पर पंजीकृत होनी अनिवार्य है। उन्होंने बताया कि प्रदेश की सरकारी एवं गैर सरकारी गुरुकुल, कामकाजी महिला छात्रावास, अनाथालय, वृद्ध आश्रमों, बालगृह, नारी निकेतन, प्राकृतिक चिकित्सालय, रेडक्रॉस संस्थान तथा धर्मार्थ संस्थानों पर 50 प्रतिशत अनुदान पर ग्रिड कनेक्टेड सोलर पावर प्लांट लगाये जायेंगे। जिसकी 50 प्रतिशत की राशि सम्बंधित संस्था द्वारा दी जाएगी। इन संस्थानों में बिना बैटरी बैंक के 50 किलोवाट तक के सोलर पावर प्लांट लगाये जायेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात के 123 वे संस्करण को बूथ नं.176 पर मण्डल अध्यक्ष गोपाल सैनी और चंदाना गेट मंडल की पूरी टीमने बैठकर सुना

कैथल,29 जून (प्रवेश बहादुर): अन्य अपने सभी कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर सुना। बूथ पर मुख्यातिथि जिलाध्यक्ष ज्योति सैनी के पहुंचने पर मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी और उनकी पूरी टीम ने मुख्यातिथि को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। जिलाध्यक्षा ज्योति सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,मन की बात कार्यक्रम में हमेशा भारत की संस्कृति और इतिहास को समृद्ध बनाने और %विकसित भारत% के संकल्प को पूरा करने का जिक्र करते हैं। उन्होंने कार्यक्रम में कभी भी राजनीति पर बात नहीं की, वें हमेशा राष्ट्र और समाज हित की बात करते हैं। इस बार के एपिसोड की शुरुआत प्रधानमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के सफल आयोजन की चर्चा से की। योग का वैश्विक प्रभाव और भारत की भूमिका प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि योग अब सिर्फ भारत की सीमाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक वैश्विक जन आंदोलन बन चुका है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष के योग दिवस पर देशभर में दिव्यांगजनों से लेकर सुरक्षाबलों तक, सभी ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया. खासतौर पर उन्होंने तेलंगाना में दिव्यांगजनों के योग अभ्यास और कश्मीर में तैनात सैनिकों के योग सत्र का उल्लेख करते हुए इसे भारत की एकता और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक बताया। तीर्थ यात्राओं में सेवा भाव की सराहना प्रधानमंत्री ने तीर्थ यात्राओं में जुटे सेवा भाव और स्वैच्छिक संगठनों की भी सराहना की. उन्होंने विशेष रूप से कैलाश पर्वत यात्रा का ज़िक्र किया और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए काम कर रहे सेवकों और संगठनों को धन्यवाद दिया. इसके साथ ही उन्होंने आगामी अमरनाथ यात्रा, जो 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है, का उल्लेख करते हुए सुरक्षा, सुविधा और श्रद्धा के संगम को राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक बताया. भारत ने सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) ने भारत के प्रयासों की सराहना करते हुए देश को ट्रैकोमा मुक्त (Trachoma-Free) घोषित किया है. यह उपलब्धि न केवल चिकित्सा क्षेत्र के लिए गौरव की बात है, बल्कि यह सरकार की जनस्वास्थ्य योजनाओं की सफलता का प्रमाण भी है.

क्या है ट्रैकोमा और क्यों है इसका उन्मूलन जरूरी? -ट्रैकोमा आंखों की एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी के चलते फैलती है. समय पर इलाज न मिलने पर यह बीमारी अंधत्व (Blindness) का कारण भी बन सकती है. एक समय था जब भारत के कई हिस्सों में यह रोग आम था, लेकिन वर्षों की सतत योजना, जागरूकता अभियानों और स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार ने इसे जड़ से खत्म कर दिया.सरकार के ठोस प्रयास लाए बदलाव भारत सरकार ने इस बीमारी को जड़ से खत्म करने के लिए राष्ट्रीय ट्रैकोमा नियंत्रण कार्यक्रम और विभिन्न नेत्र स्वास्थ्य मिशनों को प्राथमिकता दी. साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल, और स्कूल स्तर पर आंखों की नियमित जांच जैसे कदमों से इस बीमारी की रोकथाम में निर्णायक सफलता मिली. अंतरराष्ट्रीय मान्यता से बढ़ा भारत का मान WHO द्वारा ट्रैकोमा-फ्री देश घोषित किए जाने के बाद भारत अब उन चुनिंदा देशों में शामिल हो गया है, जिन्होंने इस चुनौतीपूर्ण बीमारी पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया है. ILO और WHO दोनों ने भारत के नीतिगत प्रयासों, सामुदायिक सहभागिता और नवाचारों की तारीफ की है। इस मौके पर जिला मीडिया प्रभारी राज रमन दीक्षित,मंडल अध्यक्ष गोपाल सैनी, ओम प्रकाश मीरा, ऊषा मचल,सुमित कल्याण, राजेश सिंगला, सोमदत्त कौशिक,श्रीमती सरोज कुमारी, अरुण शर्मा, महावीर सैनी, जग्गा सैनी, गोपाल वर्मा, सुशील गोयल, हर्ष गोयल ,हितेश शर्मा, विक्की, अशोक सैनी, राजेश सैनी, राजेश जस्सी,विकाश सैनी, कपूर चंद लाड़ी ,प्रदीप भट्ट, आदि कार्यकर्ता मौजूद थे।

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को लोक सम्पर्क अधिकारी रिटायर्ड सुरेन्द्र वर्मा की अगुवाई में बीसी शिष्टमण्डल ने सौंपा ज्ञापन

जींद, 29 जून (ब्यूरो): पिछड़े वर्गों एवं सोनी समाज,पांचाल, सैन,रोहिल्ला व अन्य वंचित वर्गों की मांगों को लेकर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायबसिंह सैनी के नाम लोक सम्पर्क विभाग हरियाणा के रिटायर्ड डीआईपीआरओ एवं बीसी सर्व समाज जींद के जिला संयोजक सुरेन्द्र कुमार वर्मा कोथ की अगुवाई में शिष्टमण्डल ने हरियाणा के लोक निर्माण (भवन व सड़कें) एवं जनस्वास्थ्य अभियान्त्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले सोनी समाज व बीसी सर्व समाज जिला जींद की तरफ से कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका मान-सम्मान किया गया। लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा बीजेपी के जिलाध्यक्ष एड तेजेन्द्र ढुल व अन्य पदाधिकारियों एवं गणमान्य लोगों के साथ जींद स्थित लोक निर्माण विभाग विश्रामगृह में लोगों से रूबरू होकर जनसमस्याएं सुन रहे थे। वे हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व चेयरमैन सतबीर वर्मा, ओबीसी के प्रदेश सदस्य कृष्ण रोहिल्ला,महेन्द्रसिंह प्रजापति,मैढ़ क्षत्रिय सुनार धर्मशाला रामराये के पूर्व मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र वर्मा, सोनी समाज बरवाला के प्रधान कृष्ण सोनी एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ आगामी 13 जुलाई को भिवानी में होने वाले राज्य स्तरीय अराध्य देव महाराजा दक्ष प्रजापति जयंती समारोह बारे समाज के लोगों को निमंत्रण देने आए थे। इस समारोह में हरियाणा के सीएम नायबसिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगें। कैबिनैट मंत्री रणबीर गंगवा को ज्ञापन सौंपने के बाद शिष्टमण्डल में शामिल पिछड़ा वर्ग सर्व समाज जींद के जिला संयोजक सुरेन्द्र वर्मा, जिला प्रभारी सूरतसिंह बिश्नोई, वरिष्ठ उपप्रधान सुरेश दिनोदिया, संगठन सचिव जयप्रकाश दहिया, सोनी समाज बरवाला के प्रधान कृष्ण सोनी,सैन समाज जिला युवा प्रधान जोगेन्द्र सैन,बारबर यूनियन के जिला युवा संरक्षक राकेश निडाना,बीसी डाहौला के प्रधान धर्मबीरसिंह,महेन्द्रसिंह बिश्नोई,रागखेड़ा के पूर्व सरपंच राजकुमार,सतबीर दहिया ने बताया कि सोनी समाज व अन्य वंचित वर्गों की संख्या के हिसाब से राज में उचित भागीदारी एवं हरियाणा स्वर्ण कला बोर्ड के गठन व अन्य मांगों के साथ बीसी का बैकलॉग जल्द भरने, क्लास वन व टू की नौकरियों में बीसी ए व बी के लिए क्रमशः 16 व 11 के हिसाब से 27 फीसदी पूरा आरक्षण देने की मांग की गई है। इसके अलावा ओबीसी से क्रीमीलेयर की शर्त को हटाना,हरियाणा पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा देना,शासन व प्रशासन,राजनीतिक,न्यायिक, निगमों,बोर्डों,आयोगों,शिक्षण संस्थानों सहित सभी क्षेत्रों में बीसी ए व बी को 16 व 11 के हिसाब से पूरा 27 प्रतिशत आरक्षण व उचित भागीदारी देना शामिल है। इनमें एससी की तर्ज पर बीसी ए और बी के लिए वर्ष 2026 के परिसीमन में लोकसभा एवं हरियाणा विधानसभा में आबादी के अनुपात में आरक्षण का प्रावधान करने की विशेष तौर से मांग की गई है। इसके साथ-साथ सोनी समाज समेत पिछड़ा वर्ग के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को मामूली ब्याज दर पर बिना गारन्टी के सबसिडी सहित कम से कम 10 लाख रूपये की ऋण सुविधा,एससी की तर्ज पर बीसी व सोनी समाज के विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां व अन्य सुविधाएं देने एवं हरियाणा कौशल रोजगार निगम में बीसी के आरक्षण के प्रावधान की भी मांग की गई हैं।

शिर्डी मे साई सध्या, समर्पण और साईं कृपा का अनुपम संगम

कैथल,29 जून (प्रवेश बहादुर): श्री साई रसोई सेवा समिति (रजि.) कैथल द्वारा 27 जून 2025 को शिरडी की पुण्यभूमि पर एक अत्यंत भव्य और भावपूर्ण साईं भजन संध्या का दिव्य आयोजन किया गया। इस पावन भजन संध्या का शुभारंभ शिरडी की पावन भूमि पर साईं स्तुति

और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। जैसे ही प्रसिद्ध सूफी गायक श्री देव दिलदार जी (लुधियाना) ने साईं बाबा की महिमा में सुरों की आराधना प्रारंभ की, संपूर्ण समाधी शताब्दी मंडप मंच भक्ति के रंग में रंग गया। साई नाम की गूंज और सूफियाना स्वर जब एक साथ गूंजे, तो मानो स्वयं बाबा की उपस्थिति महसूस होने लगी। हर भजन, हर स्वर, हर ताल में श्रद्धा और प्रेम का ऐसा अद्वितीय समागम था कि सैकड़ों भक्तगण भावविभोर होकर झूम उठे। नाचते हुए साईं नाम का स्मरण करते चेहरों पर केवल आनंद, भक्ति और साई के प्रति समर्पण था। इस भजन संध्या में कैथल, करनाल, यमुनानगर सहित अनेक शहरों से श्रद्धालुओं ने भाग लेकर बाबा की कृपा का लाभ उठाया। कोई भी ऐसा नहीं था जिसका हृदय स्पंदित न हुआ हो, कोई ऐसा नहीं था जिसकी आंखें नम न हुई हों। इससे पूर्व 25 जून 2025 को दास बसंत जी के नेतृत्व में आयोजित भजन संध्या ने भी भक्तों को भावसागर में डुबो दिया। भजन के एक-एक शब्द ने बाबा के प्रति प्रेम और श्रद्धा को गहराई दी। इस दो दिवसीय कार्यक्रम ने यह प्रमाणित कर दिया कि जब श्रद्धा, सेवा और संगीत एक साथ मिलते हैं, तो चमत्कार अवश्य होता है। यह भजन संध्या सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं, साईं बाबा के प्रेम में डूबा हुआ एक जीवंत अनुभव बन गया। श्री साई रसोई सेवा समिति (रजि.) कैथल इस पावन आयोजन में सम्मिलित समस्त श्रद्धालु संगत, संगीत प्रेमियों, सेवाभावी साथियों एवं सहयोगियों का हृदय से आभार प्रकट करती है।

महिलाओं के लिए सुनहरा अवसर, मिलेगा पांच लाख तक का ऋण

सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए शुरू की हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना-डीसी

करनाल, 29 जून (परमजीत कौर): उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उनकी आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार लाने के लिए हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की हुई है, जिसके तहत बैंक के माध्यम से पांच लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाता है। उन्होंने बताया की हरियाणा सरकार ने महिला सशक्तिकरण की दिशा में हरियाणा मातृशक्ति उद्यमिता योजना शुरू की है। इस योजना का लाभ महिलाओं को केवल तभी प्रदान किया जाएगा जब उनकी पारिवारिक आय 5 लाख या फिर इससे कम हो, साथ ही महिला की आयु 18 से 60 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा वह पूर्व के किसी ऋण मामले में डिफाल्टर नहीं होनी चाहिए। महिला का हरियाणा का निवासी होना अनिवार्य है। यह योजना महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बेहद कारगर सिद्ध होगी तथा उनके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। उन्होंने बताया की योजना के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख तक का ऋण 7 प्रतिशत ब्याज दर की छूट पर उपलब्ध करवाया जाता है। इस ऋण के माध्यम से महिलायें स्वरोजगार स्थापित करके दूसरे नागरिकों को भी रोजगार प्रदान कर सकेंगी। उन्होंने बताया कि महिलाएं इस योजना के तहत ऋण लेकर यातायात वाहन के तहत ऑटो रिक्शा, छोटा सामान ढोने के वाहन, थ्री व्हीलर, ई रिक्शा, टैक्सी, सामाजिक व व्यक्तिगत सेवा गतिविधियों के तहत सैलून, ब्यूटी पार्लर, टेलरिंग, बुटीक, फोटोस्टेट की दुकान, पापड़ बनाना, अचार बनाना, हलवाई की दुकान, फूड स्टॉल, आइसक्रीम बनाने की यूनिट, बिस्कुट बनाना, टिफिन सर्विस, मिट्टी के बर्तन आदि बनाने का काम शुरु कर सकती हैं। योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित दस्तावेज आवेदन के साथ जमा करवाने होंगे। इन दस्तावेजों में आवेदन पत्र, परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट आकार फोटो, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, ट्रेनिंग प्रमाण पत्र/ अनुभव प्रमाण पत्र आदि शामिल है। सभी दस्तावेजों की दो-दो फोटो प्रति होनी आवश्यक है।

यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों ने विधायक चंद्रप्रकाश से की मुलाकात, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

हिसार,29 जून (महेन्द्र गोयल): आदमपुर के पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में जनता दरबार आयोजित करके विधायक चंद्रप्रकाश ने हलकावासियों की समस्याएं सुनी। इस दौरान स्थानीय निवासियों ने रेस्ट हाउस में पहुंचकर पर्याप्त बिजली व पेयजल उपलब्ध न होने की समस्या से अवगत करवाया। इन समस्याओं पर संज्ञान लेते हुए चंद्रप्रकाश ने संबंधित अधिकारियों से बातचीत करके समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने सडक़ों के निर्माण संबंधी जानकारी भी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि आदमपुर में हर शुक्रवार को विधायक चंद्रप्रकाश द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आदमपुर हलके के निवासियों की समस्याएं सुनकर उनके निराकरण के लिए उचित कदम उठाए जाते हैं। जनता दरबार के उपरांत पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में ही यूथ कांग्रेस के आदमपुर विधानसभा के प्रधान शुभम शर्मा (सुक्खा), बालसमंद ब्लॉक के प्रधान आशीष नहरा व सदलपुर ब्लॉक के प्रधान सोनू खिच्चर ने युवा कांग्रेस के सैकड़ों साथियों के साथ विधायक चंद्रप्रकाश से मुलाकात की। इस दौरान विभिन्न सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। चंद्रप्रकाश ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए जनहित के कार्यों के प्रति सक्रिय रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता के हितों के लिए कार्य करना प्राथमिकता होनी चाहिए। इस अवसर पर विधायक चंद्रप्रकाश ने कहा कि हिसार जिले सहित पूरे प्रदेश में अराजकता का माहौल है। लोग अपनी समस्याओं के निदान के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं लेकिन उनकी सुनवाई करने वाला कोई नहीं है। उन्होंने कहा कि युवाओं को प्रताड़ित करके तानाशाही का परिचय दिया जा रहा है। चंद्रप्रकाश ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के छात्रों के धरने व प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा कि भाजपा सरकार छात्रों के हितों को दरकिनार करके मनमानी पर उतारू है। उन्होंने कहा कि किसान पर्याप्त बिजली व खेती के पानी के लिए तो परेशान थे ही, अब उन्हें डीएपी खाद भी नहीं मिल रही है। इसलिए भाजपा सरकार का दायित्व है कि वह छात्रों की सभी मांगें मानकर और किसानों को डीएपी खाद उपलब्ध करवाकर राहत प्रदान करे। विधायक चंद्रप्रकाश ने गांव खेड़ी में आयोजित संत शिरोमणि सतगुरु कबीर साहेब जी के जन्मोत्सव समारोह में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में शिरकत की। इस अवसर पर आयोजक मंडल ने चंद्रप्रकाश को पगड़ी व मालाएं पहनाकर स्वागत किया। चंद्रप्रकाश ने मान-सम्मान के लिए आभार जताते हुए संत कबीर साहेब की शिक्षाओं का अनुसरण करने का आह्वान किया।

अंबेडकर बस्ती से महिला काबू, 2.79 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद

हिसार,29 जून (मनमोहन शर्मा): पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन के दिशा-निर्देशानुसार नशीले पदार्थों की तस्करी पर लगाम कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत, चौकी पड़ाव पुलिस टीम ने एक महिला को काबू कर उसके कब्जे से 2.79 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया है। चौकी प्रभारी एएसआई अनूप ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम गश्त के दौरान विकास नगर, हिसार में मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना प्राप्त हुई कि अंबेडकर बस्ती में एक महिला नशीला पदार्थ लेकर घूम रही है। सूचना विश्वसनीय होने के कारण पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची। बस्ती की गली में पहुंचने पर एक संदिग्ध महिला दिखाई दी, जो पुलिस को देखकर घबराकर भागने की कोशिश करने लगी। उसे महिला पुलिस कर्मचारी की सहायता से मौके पर ही काबू किया गया। पूछताछ में महिला ने अपना नाम मोनिका निवासी अंबेडकर बस्ती बताया। नियमानुसार, पुलिस उप अधीक्षक संजीव कुमार की मौजूदगी में महिला पुलिस द्वारा उसकी तलाशी ली गई, जिसमें उसके पास से एक पॉलिथीन थैली में 2.79 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद हुआ। बरामद नशीला पदार्थ कब्जे में लेकर आरोपी महिला मोनिका के खिलाफ थाना शहर हिसार में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से गहन पूछताछ जारी है तथा उसे आज अदालत में पेश किया जाएगा।

भाकियू की जिला स्तरीय मासिक बैठक कल

दीनबंधु सर छोटू राम किसान भवन में होगी बैठक

करनाल, 29 जून (रविन्द्र): भारतीय किसान यूनियन(भाकियू)के तत्वाधान में मासिक बैठक का आयोजन एक जुलाई को किया जाएगा। बैठक का आयोजन अर्जुन नगर स्थित दीनबंधु सर छोटू राम किसान भवन में किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए भाकियू जिला महासचिव सुरेंद्र सिंह बैनीवाल ने बताया कि हर माह की तरह आने वाली एक जुलाई को जिलाध्यक्ष सरदार सुरेंद्र सिंह घुम्मन की अध्यक्षता में मासिक बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मासिक बैठक में सभी ब्लॉक अध्यक्ष, जिला व प्रदेश कार्यकारिणी से जुड़े पदाधिकारी भाग लेगें। बैठक की जानकारी सभी संबंधित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को भेज दी गई है। महासचिव बैनीवाल ने बताया कि मासिक बैठक में गत मास जून का लेखा-जोखा पेश करने के साथ साथ हिसार में चल रहे छात्र आंदोलन व किसानों की समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। बैठक में वरिष्ठ किसान नेता प्रेमचंद शाहपुर, प्रदेश अध्यक्ष रतनमान, कोर कमेटी चेयरमैन यशपाल राणा, प्रदेश संगठन सचिव शाम सिंह मान, उतरी हरियाणा प्रभारी महताब कादियान सहित कई किसान नेता शिरकत करेगें।

बल्ला मंडल के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री की मां की बातें सुनी

मूनक, 29 जून (जयभगवान): प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी का 123 वां मन की बात का ऐपिसोड मंडल के गांव सालवन, बल्ला,मूनक,

बालराजपूत, गोली , बूथों पर अपने साथियो के साथ सुना। जिसमे मोदी ने योग को जीवन में अपनाने के लिए कहा और स्वास्थ योग में बिना अधूरा है। भगवान जगन्नाथ यात्रा का लोगों में प्रति उत्साह और आस्था अविश्मरिय है। अब भारत आँखो की ट्रैकोमा नामक बिमारी से मुक्त हो गया है। देश में जब 1975 में आपात कालीन स्थिति का वर्णन किया गया व बताया कि कैसे लोगो पर जबरन अत्याचार किया गया । महिला सैल्प हैल्प ग्रुप में अपना रोजगार बढ़ा रही है। तेलगांना महिलाओ का भी वर्णन किया गया कि कैसे उन्होंने बिस्कुट सैन्टरी पैड आदि बनाने का कार्य शुरू कर दिया है। पर्यावरण के बारे में हमें शपथ रखना है इसके बारे में भी जानकारी दी। अहमदाबाद के एक कार्यालय मे सिन्दूर वन की महिम चलाई हुई है व अन्य महत्वपूर्ण विषयो पर प्रधानमन्त्री ने चर्चा की। जिसको सुनने के लिए मण्डल अध्यक्ष जयभगवान जांगडा, सरपंच प्रतिनिधि ओम प्रकाश, ब्लॉक सरपंच प्रधान अजय कुमार, सरपंच सुरजीत राणा, सरपंच उम्मेद सिंह, रणदीप राणा, पकज, आशीष, अभिषेक, हर्ष ,सन्दीप ,जयकुवार सभी मैं अपने अपने बूथों पर सुना।

रोटरी क्लब का सम्मान समारोह धूमधाम से सम्पन्न

शाहाबाद मारकंडा, 29 जून (रूबी): शनिवार देर रात रोटरी क्लब द्वारा एक निजी पैलेस में आयोजित सम्मान समारोह हर्षोल्लास से सम्पन्न

हुआ। इस अवसर पर मंच पर एजी रोटेरियन डा. विवेक ललित, नवीन आहुजा, एडीसी यमुना नगर तथा अन्य विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। समारोह में पूर्व प्रधान डा. एसएस आहुजा ने बीते वर्ष में किए गए समाजसेवा के कार्यों का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि क्लब द्वारा किए गए प्रकल्पों में किशोर अवस्था पर सेमिनार, टैलेंट सर्च प्रोग्राम, इंटर स्कूल पेंटिंग व भाषण प्रतियोगिताएं, रोजगार मार्गदर्शन, रक्तदान शिविर, नेत्र जांच शिविर, जरूरतमंदों को कंबल, गर्म वस्त्र, स्टेशनरी, यूनिफॉर्म व सेनेटरी नैपकिन वितरित किए गए। समारोह में नवनियुक्त प्रधान डा. आरएस घुम्मन को औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा गया। इस मौके पर राज कुमार गर्ग, महेश गोयल, वरिंदर ठुकराल, सुरेश गोगिया, डा. दीपक शर्मा, डा. गुरदीप सिंह हेयर, कुलदीप गुप्ता, मदन गर्ग, सुनील बावेजा, प्रीतपाल सिंह ढिल्लो, मनिंदर घुम्मन, गोल्डी ओजला, डा. सतीश गर्ग, जतिंदर सिंह, अभय वधवा, रोहित वधवा, डा. हिमांशु मौजूद थे।

राधे-राधे जपों चले आएगें बिहारी भजन पर झूमे श्रद्धालु

शाहाबाद मारकंडा, 29 जून (रूबी): श्री कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण मंदिर सभा द्वारा रविवार से प्रभातफेरियों का आयोजन किया गया। प्रभातफेरियों की लड़ी में रविवार प्रथम दिवस की प्रभाफेरी प्रवीण व गीता मदान द्वारा हुडा स्थित निवास पर आयोजित करवाई गई। पं. कमलेश्वर शास्त्री द्वारा पूजा करवाई गई। भजन मंडली में त्रिलोक आहुजा, संजीव सचदेवा, वेद गगनेजा, हर्ष करावा, वेद गगनेजा, प्रिंस सचदेवा, नरेंद्र मदान ने भगवान श्री कृष्ण के सुंदर-सुंदर भजन प्रस्तुत किए। रवि शर्मा द्वारा गाए भजन राधे-राधे जपो चले आएंगे बिहारी पर श्रद्धालु जमकर झूमे। मंदिर सभा की ओर से विधायक रामकरण, नपा प्रधान गुलशन कवातरा, मंदिर सभा के प्रधान रामकृष्ण हसीजा, चेयरमैन ढूंढराज आनंद ने आयोजक परिवार को स्मृति चिह भेट किया। इस अवसर पर सुशील शर्मा, राजकुमार चुघ, सुधीर सूद, अशोक सेठी, कुलवंत शर्मा, संजीव स्वामी, बलदेव राज मदान, भगतराम गगनेजा, बलदेवराज शर्मा, श्याम सुंदर, नागेश शर्मा, नवनीत सचदेवा सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।

मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जगदीश झींडा की अगुवाई में संत महापुरुष करेंगे दर्शन ड्योढी का शिलान्यास : भूपेंद्र सिंह लाडी

तरावड़ी, 29 जून (छाया शर्मा): शहर के ऐतिहासिक नौंवी पातशाही शीशगंज गुरूद्वारे में 30 जून को पंचमी पर्व के अवसर पर कार सेवा गुरूद्वारा बंगला साहिब दिल्ली वाले मुख्य बाबा बचन सिंह, बाबा जोगा सिंह कार सेवा तरावड़ी के नेतृत्व में हुए 12 कमरों का निर्माण, एक हॉल एक लाइब्रेरी के अलावा नए कार्यालय का शुभारंभ किया जाऐगा। यही नही गुरूद्वारे के मुख्य गेट पर बनाए जाने वाली दर्शन डयोढी के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया जाऐगा। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि भुपेन्द्र सिंह लाडी ने जायजा लिया। उन्होंने बताया कि पंचमी पर्व के दिहाड़े पर 30 जून को शीशगंज गुरूद्वारे में भाई जैता जी यात्री निवास का शुभारंभ होगा। मैनेजमैंट कमेटी के प्रधान जगदीश झींडा समेत काफी संख्या में पहुंचे संत महापुरूषों की अगुवाई में दर्शन ड्योढ़ी के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास होगा। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि भुपेन्द्र सिंह लाडी ने तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कमेटी के पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने बताया कि पंचमी के दिन गुरूद्वारे में हजारों की संख्या में संगत उमड़ती है। गुरू का सुंदर दरबार सजाया जाता है। दूर-दराज से रागी जत्थे सुबह से लेकर शाम तक संगतों को गुरूओं द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। आज भी पंचमी पर्व धूमधाम से मनाया जाऐगा। 30 जून को आयोजित होने वाले पंचमी पर्व के दिन हजारों संगतों के बीच सन्त महापुरुष उद्घाटन कर संगत को समर्पित करेंगे। जिसमे हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान जगदीश झींडा विशेष तौर पर शिरकत करेंगे। हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह लाडी ने कहा कि गुरुद्वारा परिसर में संगत को किसी भी प्रकार की परेशानी नही आने दी जाएगी। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि लखविंद्र सिंह ढिल्लो, हरमीत बजाज शंटी, मनजीत सिंह, रवि सौंकड़ा, गुरप्रताप विर्क, अमृत खारा समेत कई लोग मौजूद रहे।

पार्षद सोनिया सूद ने सार्वजनिक शौचालय का लोकार्पण किया

पंचकूला,29 जून (सतीश मंगला): पार्षद वार्ड न: 4 सोनिया सूद नगर निगम पंचकुला व उमेश सूद पूर्व चेयरमैन ज़िला परिषद पंचकुला के कर कमलों से वार्ड के सेक्टर 9 में सार्वजनिक शौचालय (नजदीक आयुष डिस्पेंसरी) को जनता को समर्पित किया गया। इस अवसर पर विशेष तौर पर वार्ड के लोगो की समस्याओं को सुना गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सोनिया सूद ने कहा कि सेक्टर 9 की मार्किट के लोगो की यह बहुत पुरानी माँग थी जिसे आज पूरा किया गया है । उन्होंने कहा कि इससे पहले भी दुकानदार भाइयो के लिए पार्किंग एरिया को बड़ा किया गया था। इसके अलावा अभी कुछ दिन पहले ही मार्किट में नई सड़के बनाई गई है। इसके अलावा जल्दी ही सेक्टर की बकाया सभी सड़के नई बनवाई जाएगी और यह सड़के सेक्रेप कर (खुरचकर) बनाई जाएगी जिससे सड़को और घरों के बीच का लेबल ठीक रहे और सड़को की लाइफ ज्यादा हो । इसके बाद आज ही रेहड़ी मार्किट (न्यू शिवा मार्किट) अंतोध्य मार्किट में नया वाटर कूलर लगवाया गया है । यह श्री श्याम परिवार ट्रस्ट के सौजन्य से लगवाया गया है । इस कार्यक्रम में उमेश सूद पूर्व चेयरमैन ने बताया कि जब से सोनिया सूद चुनाव जीती है उसी दिन से लगातार जानता के बीच में ही काम कर रही है । सोनिया सूद ने विकास कार्यो की नई मिसाल पेश की है कि इस तरह भी काम हो सकते है और लोगो को कहीं भी जाने की जरूरत नहीं घर बैठे ही उनके काम कर रही हैं । उन्होंने वार्ड के पार्कों को नया बनाने और पार्कों में संथेतिक बैडमिंटन कोर्ट बनाने और EPDM ट्रेक बनाने का काम चल रहा है और कुछ पार्कों में जल्दी ही ट्रैक का काम शुरू होने वाला है । जल्दी ही वार्ड की मार्केट्स में भी काम शुरू होने वाला हैं । रॉड गलियों की सफाई का कार्य भी शुरू हो चुका है । इस बार सारे वार्ड की सड़कें, गलिया साफ़ हो जाएगी । इस अवसर पर सुरिंदर बंसल प्रधान मार्किट ऐसोसिएशन ने कहा कि पार्षद सोनिया सूद ने जिस प्रकार से काम किया है वह सराहनीय है और हर कोई उनसे आसानी से मिल सकता है और वह भी हर किसी काम को प्राथमिकता के आधार पर करवाती हैं। हर कोई उनके किए कार्यों की तारीफ़ करता है । इस अवसर पर मोहित वर्मा, राजेश गुप्ता, राजन गोयल, आनंद किशोर नंदी, पंकज लकनपाल, बी एन भट्ट, आशु गर्ग, राजेश गोयल, मदन मित्तल, प्रेम कंबोज, नरेश सिंगला, अमित अग्रवाल, राजीव गुप्ता मौजूद रहे ।

सामाजिक और लोगों के हित के मुद्दे उठाते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी : देवेंद्र कामरा

बूथ अध्यक्ष, मंडल सदस्यों, सक्रिय सदस्यों व आमजन ने सुनी प्रधानमंत्री के मन की बात

तरावड़ी, 29 जून (छाया शर्मा): भाजपा कार्यकर्त्ता देवेंद्र कामरा के नेतृत्व में शहर के बूथ नंबर-113 पर कार्यकर्त्ताओं, आम लोगों एवं दुकानदारों ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात सुनी। यहां एक विशेष कार्यक्रम हुआ, जिसमें बूथ अध्यक्ष कमेटी के सदस्य, पार्टी के सक्रिय सदस्य और ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना। इससे पहले सभी ने डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर सभी बूथों पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर चर्चा की। बूथ नंबर-113 पर लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताई गई व जीवन में प्रेरित कर अच्छे मार्ग के लिए रोशनी डालने वाले विचारों का श्रवण किया। भाजपा कार्यकर्त्ता देवेंद्र कामरा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजनीति और कूटनीति से भारत को आगे ले जाने की बात करते हैं। हम लोगों को भी उनके इन प्रयासों में कदम से कदम मिलाकर चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने कार्यक्रम में हमेशा सामाजिक और लोगों के हित के मुद्दे उठाते हैं जिससे सभी को प्रेरणा मिलती है। इसके जरिए वे लोगों की हौसला आफजाई करते हैं। साथ ही देश के विकास को लेकर भी अपना अनुभव साझा करते हैं। इस कार्यक्रम को लेकर आम लोगों व भाजपा कार्यकर्तायों में खासा उत्साह रहता है। देवेंद्र कामरा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इस कार्यक्रम में विभिन्न अभियानों का जिक्र किया। इस अवसर पर देवेंद्र कामरा के साथ लक्की सेठी, सुरिंदर सरदाना, गौरव कामरा, राकेश मदान, मनदीप, रवि, सतनाम, कृष्ण लाल सेठी समेत कई सदस्य मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लेने के लिए करें ऑनलाइन पंजीकरण : उत्तम सिंह

करनाल, 29 जून (रविन्द्र): उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। अब लाभार्थियों को विवाह के ऑनलाईन पंजीकरण करवाने के उपरान्त ही योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए लाभपात्र विवाहिता की शादी का ई-दिशा पोर्टल पर पंजीकरण होना अत्यंत आवश्यक है। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लेने वाले परिवार को अपनी बेटी की शादी के 6 महीने पूरे होने से पहले ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण करने उपरान्त ही विवाहित कन्या के माता-पिता को उक्त योजना का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि अनुसूचित एवं विमुक्त जाति के परिवार का नाम बीपीएल सूची में है तो उसको कन्या विवाह शगुन योजना के अंतर्गत 71 हजार रुपये का लाभ दिया जाएगा। सभी वर्गों की विधवाओं, बेसहारा महिला, अनाथ बच्चे, बीपीएल सूची में है या उनकी आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है तो उनको इस योजना में 51 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा। बी.पी.एल सूची में सामान्य या पिछड़े वर्ग के परिवार को 31 हजार रुपये का लाभडीसी ने बताया कि बी.पी.एल सूची में सामान्य या पिछड़े वर्ग के परिवार को 31 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। इसी तरह अनुसूचित वर्ग या विमुक्त जाति का परिवार बी.पी.एल सूची में नही है और जिनकी वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, उनको 31 हजार रुपये का अनुदान दिया जाएगा।

यूपीएस एनपीएस का दूसरा नाम, कर्मचारियों की मांग ओपीएस

कर्मचारियों के हकों को छीन नहीं है सरकार

सरकार प्रदेश के विश्वविद्यालयों के साथ कर रही है सौलेता व्यवहार

हिसार,29 जून (महेन्द्र गोयल): ऑल हरियाणा यूनिवर्सिटी एम्प्लॉइज फेडरेशन के चेयरमैन विपिन वधवा ने हरियाणा सरकार द्वारा यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू किए जाने के निर्णय का विरोध करते हुए पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा 01 अगस्त 2025 से यूनिफाइड पेंशन स्कीम लागू करना कर्मचारियों की उम्मीदों और भावनाओं के साथ सीधा धोखा है। प्रैस को जारी ब्यान में चेयरमैन विपिन वधवा ने कहा कि सरकार बिना सोचे समझे फिर से ऐसी पेंषन स्कीम को लागू कर रही है जो एनपीएस से भी घातक है। सरकार द्वारा कर्मचारियों को एनपीएस, यूपीएस व ओपीएस में से कोई एक विकल्प चुनने का मौका भी नहीं दिया। उन्होंने कहा कि ओल्ड पेंषन कर्मचारी के बुढ़ापे का सहारा होता है जो सरकार ने छीन लिया है। एनपीएस का नाम बदलकर यूपीएस लागू करके सरकार ने कर्मचारियों के हकों को छीन लिया है। उन्होंने कहा कि पांच साल के लिए जनता द्वारा चुने जाने वाले प्रतिनिधि ताउम्र पेंषन लेते है वहीं 25, 30 साल तक जनता की सेवा करने वाले कर्मचारियों को पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है जो सरकार के तानाशाही रवैये को दषार्ता है। उन्होंने यूपीएस का विरोध करते हु अविलंब वापस लेने तथा सभी विश्वविद्यालय कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू किया जाए की मांग की है। ऑल हरियाणा यूनिवर्सिटी एम्प्लॉइज फेडरेशन के प्रैस सचिव मुकेश तंवर ने बताया कि प्रदेश सरकार ने 2005 से पहले जारी किए गए विज्ञापन के तहत भर्ती हुए कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम का लाभ दे दिया है और प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय के कर्मचारियों को वंचित कर दिया गया है। सरकार प्रदेश के विश्वविद्यालयों के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। फेडरेशन ने प्रदेश सरकार के नकारात्मक रवैये का विरोध करते हुए सभी विश्वविद्यालयों में ओल्ड पेंशन स्कीम लागू करने की मांग की है।

महिलाओं को कानूनी अधिकारों और सुरक्षा के प्रति किया गया जागरूक

रायपुररानी,29 जून (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी स्थित खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कार्यालय में महिला सुरक्षा मंच की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ एडवोकेट स्नेहलता शर्मा ने की। बैठक में क्षेत्र की करीब 40 महिलाएं उपस्थित रहीं। इस अवसर पर एडवोकेट स्नेहलता शर्मा ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, शोषण, अत्याचार और सुरक्षा उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को यह जानने का अधिकार है कि वे किसी भी परिस्थिति में सुरक्षित हैं। अगर उन्हें शोषण या अत्याचार का सामना करना पड़े, तो उन्हें अपनी आवाज उठानी चाहिए। उनके पास कानूनी सुरक्षा है और हर महिला को यह अधिकार है कि वह अपने साथ हो रहे अन्याय के खिलाफ कदम उठाए। इस मौके पर रानी देवी, मीना, सिंदर, बाला देवी, तारो, संतोष, पिंकी, पूजा, बचनी देवी, चमेली, उषा धीमान, कृष्णा मानकटाबरा सहित अन्य महिलाएं मौजूद रही।

क्षणिक मस्ती से जिंदगी हो सकती है बर्बाद, नियमों का पालन करें व सुरक्षित रहें : एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया

यमुनानगर, 29 जून (दिनेश कुमार): पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया के मार्गदर्शन में नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जन-जागरूकता अभियान के तहत एक सशक्त और चेतावनीपूर्ण संदेश जारी किया है कि %थोड़ी मस्ती के चक्कर में जिंदगी का सफर छोटा मत बनाओ। नशा छोड़ो, नियम अपनाओ ताकि हर सफर सुरक्षित हो !% इस संदेश का उद्देश्य खासतौर पर युवाओं को यह समझाना है कि क्षणिक आनंद और मस्ती के लिए नशे का सहारा लेना न केवल उनके स्वास्थ्य के लिए घातक है, बल्कि यह उनके जीवन और समाज की सुरक्षा को भी गंभीर खतरे में डाल सकता है। नशे की हालत में वाहन चलाने की बढ़ती घटनाएं और उनसे जुड़ी दुर्घटनाएं यह दर्शाती हैं कि एक छोटी सी लापरवाही भी जीवन को पूरी तरह बदल सकती है।

अभियान का उद्देश्य - पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह अभियान केवल कानून पालन तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक सुरक्षित, स्वस्थ और सजग समाज का निर्माण करना है। इस क्रम में स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थलों पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन लगातार किया जा रहा है, जिनमें विशेषज्ञों द्वारा नशे के दुष्परिणाम, मानसिक और शारीरिक प्रभाव, तथा सुरक्षित जीवनशैली के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

अभिभावकों से विशेष अपील:पुलिस अधीक्षक ने अभिभावको से अपील करते हुए कहा कि वे अपने नाबालिग बच्चों को दोपहिया या चारपहिया वाहन चलाने की अनुमति न दें। कम उम्र में वाहन चलाना न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह उनके जीवन और दूसरों की सुरक्षा के लिए अत्यंत खतरनाक हो सकता है। एक छोटी सी लापरवाही भविष्य को अंधकार में धकेल सकती है। इसलिए समय रहते मार्गदर्शन और नियंत्रण अत्यावश्यक है।**युवाओं से आह्वान:** पुलिस अधीक्षक ने सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे नशे से पूरी तरह दूर रहें, यातायात नियमों का पालन करें, और एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभाएं। युवाओं से विशेष रूप से आग्रह है कि वे इस जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय रूप से भाग लें, स्वयं सतर्क बनें और दूसरों को भी प्रेरित करें।

टयूशन पढ़ने वाले बच्चों पर भी नजर रखें

आजकल बेहतर भविष्य के लिए प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जब आपका बच्चा बड़े क्लास में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है ,ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दे की वह अपना ध्यान खुद रखें7 अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है7

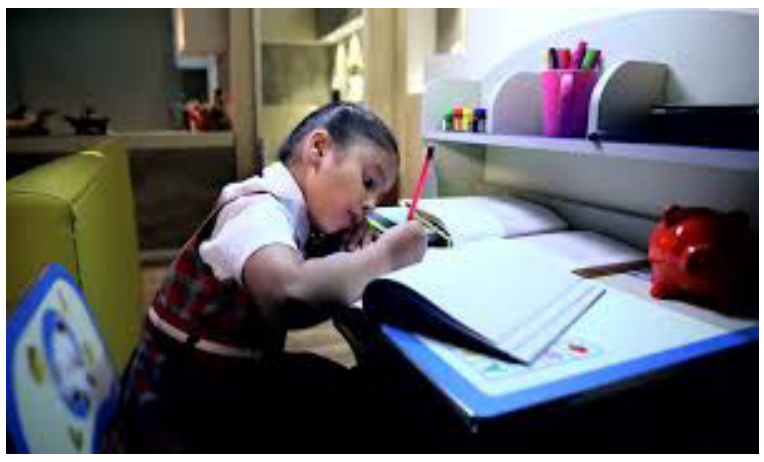

आप अपने बच्चे को बेहतर बनाने के लिए उसकी हर मुश्किल आसान करते है। जब आप किसी विषय को समझाने में मुश्किल का सामना करते है तो ट्यूशन का सहारा लेते है लेकिन ट्यूशन पढ़ते समय बच्चा अकेले ही होता है, इसलिए आपको इन बातों का ध्यान रखना होगा।

अपने बच्चे को ट्यूशन भेजने से पहले उसे मानसिक रूप से तैयार केर दे की उसे क्या पढाई करना है।

उसके साथ ले जाने वाली किताब कॉपी सही से रखें।

एक माता-पिता होने के नाते आपकी जिम्मेदारी बनती है कि पता करे कि ट्यूशन टीचर आपके बच्चे को ठीक से पढ़ा रहे है या नहीं।

कभी- कभी ट्यूशन टीचर लापरवाही बरतने लगते है , समय- समय पे यह पता करते रहना चाहिए की कही वे समय तो नहीं बिता रहे है। यदि ऐसा है तो पहले उस टीचर से बात करनी चाहिए, संतुष्टि न मिलने पर टीचर बदल देना चाहिए।

कुछ समय के बाद यह अवश्य पता करे की बच्चे को जो पढ़ाया जा रहा है वह सही है या नहीं क्योंकि एक बार गलत जानकारी मिलने पर बच्चे की दिशा ही बदल जाएगी और बच्चा दिग्भर्मित हो जायेगा।

टीचर का बच्चे पर बहूत प्रभाव पड़ता है ।जब तक बच्चा छोटा है तब तक माँ ही उसकी टीचर है, उससे अच्छा कोई उसे पढ़ा नहीं सकता है ।यदि समय की कमी हो तभी अपने बच्चे को ट्यूशन पढ़ने भेजे अन्यथा नहीं। वहीं जब आपका बच्चा बड़े क्लास में पहुँचता है तो उसके लिए ट्यूशन या कोचिंग करना आवश्यक हो जाता है ,ऐसे समय अपने बच्चे को ही इस बात से अवगत करा दे की वह अपना ध्यान खुद रखें। उसे बतायें कि लापरवाही से उसका भविष्य ही ख़राब होगा।

बच्चों को टाइफाइड से बचायें

बरसात के मौसम में मच्छर आदि की संख्या बढ़ जाती है, और रोगों का प्रकोप बढ़ जाता है। इन्ही में एक संक्रामक रोग टाइफाइड है, यह बुखार ऐसा है जो एक निश्चित समय के लिए होता है। यह किसी संक्रमित व्यक्ति के मल के माध्यम से दूषित वायु और जल से होता है।

टाइफाइड एक संक्रामक बीमारी है जो की लिवर से सम्बंधित है। हर साल तक़रीबन 2 लाख से ज्यादा लोग टाइफाइड की बीमारी के कारण जान गवाते है टाइफाइड की बीमारी मैं लिवर ठीक तरह से काम नही करता जिसकी वजह से बुखार के साथ ही पुरे शरीर में दर्द होने लगता है। अगर सही समय पर ध्यान ने दिया जाये तो टाइफाइड जानलेवा भी हो सकता है। समय के अंदर इसका इलाज ने किया जाये तो बच्चे की जान तक जा सकती है।

बच्चों में टाइफाइड के लक्षण

टाइफाइड के लक्षणों को जानना बहुत जरुरी है क्यूंकि समय रहते टाइफाइड के लक्षणों को पहचान लिए जाये तो समय से टाइफाइड से पीड़ित बच्चे का सही इलाज किया जा सकता है।

टाइफाइड से पीड़ित बच्चे में प्रतिदिन बुखार होता है, जो हर दिन कम होने की बजाय बढ़ता रहता है।

अत्यधिक कमज़ोरी और थकान महसूस होना।

सिर में दर्द होना।

पेट में दर्द और भूख न लगना।

छाती पर गुलाबी निशान होना।

दस्त आना।

लिवर का बढ़ जाना।

पेट में अल्सर की संभावना।

कभी - कभी रोगी बच्चे को चपटे चकत्ते भी पड़ जाते हैं।

सूखी खाँसी आना।

जीभ पर मोटी परत जम जाना। इन लक्षणों के नजर आने के बाद देर नहीं करनी चाहिए। चिकित्सक को दिखाएं और इलाज करवाना आवश्यक हो जाता है, ताकि बच्चा शीघ्र स्वस्थ हो सके।

फलों एवं हरी सब्जियों की कमी का शिकार बच्चों में मधुमेह का खतरा

बच्चों में मधुमेह के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जानकारों के अनुसार फलों और हरी सब्जियों की कमी से मधुमेह (डायबिटीज) का रोग बढ़ा है। 10 या 11 साल की की उम्र में ज्यादातर बच्चें अधिक वजन वाले या मोटापे का शिकार हो रहे है जिससे उनमें डायबिटीज जैसी बीमारी के लक्षण देखने को मिल रहे हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि हर दिन दो तिहाई से अधिक लोग फलों और हरी सब्जियों का खाने में कम इस्तेमाल करते है, जिससे उनमें डायबिटीज टाइप 2 जैसी गंभीर बिमारी होने के खतरा हो सकता है। विशेषज्ञों का मानना है कि व्यस्क हर दिन फलों और सब्जियों के तीन या उससे कम हिस्से का सेवन करते हैं जिससे करीब 12 मिलियन लोग, डायबिटीज टाइप 2 के शिकार हो सकते हैं।

एक सर्वे में पाया गया कि 66 प्रतिशत व्यस्क हर दिन केवल तीन या उससे कम मात्रा में फल और सब्जियां खाते हैं। जिनमें से 90 प्रतिशत लोगों को टाइप 2 डायबिटीज हैं। चैरिटी का कहना है कि अगर लोग अपने रहन सहन में बदलाव लाए तो डायबिटीज के पांच मामलों में से तीन से बचा जा सकता है।

हर कोई जानता है कि उन्हें पांच दिन फल और सब्जियां खाना चाहिए लेकिन फिर भी यह सर्वेक्षण बताता है कि यह संदेश लोगों तक ठीक तरह से नहीं पहुंच रहा है।

यह जानना खतरनाक है कि अधिकांश लोग अभी भी पर्याप्त फलों और सब्जियों के सेवन से काफी दूर हैं। इतना ही नहीं, कई लोगों को इस बारे में भी नहीं पता हैं कि उन्हें कितनी मात्रा में फल और सब्जियां खाना चाहिए। डायबिटीज वाले लोगों के लिए हेल्दी लाइफस्टाइल के साथ हेल्दी खाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है जिससे उनको इस गंभीर बीमारी को रोकने में आसानी होगी।

लोगों को बंद डिब्बों में मिलने वाले खाद्य पदार्थों में कितनी मात्रा में चीनी पाई जाती है इसकी जानकारी नहीं है।

दो तिहाई लोगों को यह नहीं पता कि एक टिन बेक्ड बीन्स में चीनी के पांच चम्मच तक शामिल हो सकते हैं।लगभग दस में से छह लोगों ने कहा कि वे ज्यादा सब्जियां खाना चाहते है, लेकिन 23 प्रतिशत का कहना है कि वे काफी महंगी होती हैजबकि 10 लोगों में से लगभग एक का कहना हैं कि इसे बनाने में बहुत समय लगता है।

बच्चों की गलत आदतों को नजरअंदाज न करें

बचपन इंसान की जिंदगी की नींव होती है। एक बच्चा अपने बचपन में किस तरह का व्यवहार सीखता है उसका प्रभाव उसकी पूरी जिंदगी पर पड़ता है। । कई बार अभिभावक बच्चों की कुछ छोटी-छोटी गलत आदतों को ये सोचकर नजरअंदाज कर देते हैं कि बड़ा होने पर वो सुधर जाएगा पर यही लापरवाही आगे चलकर बच्चे के व्यवहार पर को खराब कर देती है। इसलिए इन आदतों की अनदेखी न करें।

बड़ों से बदतमीजी करना कई बच्चे अपने से बड़ों से बात करते समय शिष्टाचार का ध्यान नहीं रखते। वे चिल्लाकर बोलते हैं या उल्टा जवाब देते हैं। बच्चे की ये आदत बहुत ही खराब होती है। जब कोई बच्चा अपने माता-पिता, दादी-दादा या किसी और बड़े से बदतमीजी करता है, तो लोग अभिभावकों की परवरिश पर सवाल उठाने लगते हैं। सबको लगता है कि घर में ही बच्चे को ऐसे संस्कार सिखाए जा रहे हैं। ऐसे में ये जरूरी है कि बच्चे को बड़े और छोटे दोनों का लिहाज करना सिखाया जाए।

नकल करना या मजाक उड़ाना

बच्चे अक्सर किसी की चाल, बोलने के ढंग की नकल करते हैं। जब तक यह नकल पॉजिटिव तरीके से की जाती है, तो ठीक रहती है। लेकिन बच्चे अगर किसी का मजाक उड़ाने लगें, किसी की कमजोरियों की नकल करने लगें, तो ये बदतमीजी होती है। बच्चों की इस हरकत की वजह से अभीभावकों को शर्मिंदगी उठानी पड़ती है। इसलिए बच्चे अगर इस तरह की हरकत करें तो उन्हें प्यार से समझाएं कि किसी का मजाक उड़ाना गलत है और हर किसी का सम्मान करना चाहिए।

झूठ बोलने की आदत अगर बच्चा बार-बार झूठ बोलने लगे, तो ये बहुत ही खराब आदत है। यूं तो शुरू में ये आदत खेल-खेल में या किसी डांट से बचने के लिए होती है, लेकिन अगर बच्चे को समय रहते समझाया ना जाए तो बच्चा धीरे-धीरे इसे सही समझने लगता है। ऐसा बच्चा स्कूल, दोस्तों और रिश्तेदारों के बीच भरोसेमंद नहीं रहता। बच्चा जब झूठ बोलने लगता है तो इसका असर परिवार की इमेज पर भी पड़ता है। इसलिए बच्चे को सच बोलना सिखाना बहुत जरूरी है, चाहे इसके लिए थोड़ी सख्ती ही क्यों ना करनी पड़े।

बच्चों के टिफिन मे पौष्टिक आहार को पहल दें

बच्चों के टिफिन में न दे ये चीजें

अगर आप भी अपने बच्चों को लंच में रोज आलू का पराठा या सैंडविच-पास्ता देकर उसके पोषण का ध्यान रख रही हैं तो आप गलत हैं। बच्चों के विकास के लिए स्कूल लंच में इन चीजों को न दें। इससे बच्चे के शारीरिक और मानसिक विकास पर विपरीत प्रभाव पड़ने लगता है।

आलू पराठा

सुबह नाश्ते में अधिकतर परिवारों में आलू का पराठा बनाकर खाया जाता है। आलू का पराठा पेट तो भर देता है लेकिन कार्बोहाइड्रेट और वसा से भरपूर होता है। जिससे बच्चों में फाइबर और प्रोटीन की कमी पैदा हो सकती है। इसके अलावा यह पचाने में भी भारी होता है, जिससे बच्चे सुस्ती महसूस कर सकते हैं।

सैंडविच

सैंडविच बनाने के लिए जरूरी चीजों में सफेद ब्रेड, मक्खन, आलू और चीज की जरूरत पड़ती है। जो पोषण की कमी पैदा कर सकते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि सफेद ब्रेड, जिसे मैदा से बनाया जाता है, में फाइबर की कमी होती है। जो बच्चों के बार-बार भूख लगने और मोटापे का कारण बन सकता है।

मीठे स्नैक्स

चॉकलेट, कैंडी, कुकीज, केक, मिठाइयां जैसी चीजें स्कूल लंच में पैक करके ना दें। इस तरह की चीजों में चीनी की मात्रा अधिक होने से दांतों की सड़न और एनर्जी लेवल लो हो सकता है। जिससे बच्चे को जल्दी थकान महसूस हो सकती है।

मसालेदार खाना

बच्चे के लंच में स्पाइसी फूड जैसे मसालेदार चटनी, तीखी सब्जियां, मिर्ची वाले स्नैक्स भी पैक ना करें। जरूरत से ज्यादा मसाले बच्चों के पेट को नुकसान पहुंचाकर उनके लिए स्कूल में असुविधा पैदा कर सकते हैं।

मैगी-मैगी या इंस्टेंट नूडल्स के लिए प्यार, बच्चों से लेकर बड़ों में भी देखा जा सकता है। लेकिन सुबह की पहली मील में मैगी का सेवन, सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है। इसमें मौजूद प्रिजर्वेटिव, सोडियम और मैदा बच्चों के पाचन तंत्र को नुकसान पहुंचा सकता है।

पढ़ाई के लिए अन्य किताबें भी दें ...अभिभावक बच्चों की पढ़ाई को लेकर परेशान रहते हैं और उनपर बेहतर प्रदर्शन का दबाव डालते हैं। यह कुछ हद तक सही है पर केवल पढ़ाई से ही बच्चों का पूरा विकास नहीं हो सकता। तेजी से बढ़ते जमाने के साथ चलने के लिए उन्हें अन्य क्षेत्रों की भी जानकारी दें। आम तौर पर अधिकांश अभिभावकों को लगता है कि बच्चे स्मार्ट और तेज दिमाग ज्यादा पढ़ाई करने से बनते हैं लेकिन पढ़ाई के अलावा भी बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो बच्चे को समझदार और तेज दिमाग बनाती हैं। जिसके लिए माता.पिता को कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। स्कूल की किताबों के अलावा बच्चों को स्टोरी बुक्स पढ़ने की आदत डालें। कहानी की किताब पढ़ने से बच्चों का दिमाग क्रिएटिव बनता है। साथ ही बच्चे समझदार भी बनते हैं बच्चों को साथ बिठाकर होमवर्क करवाएं। बच्चों से एक दोस्त की तरह बात करें उनकी परेशानियों को जानने की कोशिश करें। साथ ही जीवन में उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। अपने बच्चे को आउटडोर गेम्स खेलने पर जोर दें क्योंकि मैदान में जाकर खेलने से बच्चा शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनता है। इससे बच्चे की सेहत तो अच्छी रहती ही है साथ ही दिमाग भी तेज होता है। बच्चे को ज्यादा टीवी देखने ना दें क्योंकि बच्चे टीवी प्रोग्राम में इतने ज्यादा खो जाते हैं कि वो घंटों तक टीवी के आगे ही बैठे रहते हैं जिससे उनका मानिसक विकास नहीं हो पाता है। 2 साल की उम्र से पहले बच्चे को टीवी से दूर ही रखें। अधिकतर लोगों को कहते सुना होगा कि बच्चा वही सीखता है जो दूसरों को करते देखता है इसलिए बच्चे के सामने आप भी ज्यादा से ज्यादा सक्रिय रहें किताबें पढ़ें एक्सरसाइज करें क्रिएटिव चीजें करें ताकि बच्चे पर सकारात्मक असर पड़े। घर के छोटे.मोटे कामों में बच्चे से मदद लें थोड़े बहुत उनके काम उन्हें खुद से करने दें इससे उनमें आत्मविश्वास पैदा होगा और चीजों को लेकर उनमें सही समझ आएगी।

बच्चों के भविष्य की नींव बचपन में ही रखी जा सकती है

- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर हम मनीषी जीव के अनेक रूप देखते हैं, कोई सड़क पर भीख मांग रहा है तो कोई विश्व का सबसे अमीर है !कोई स्वास्थ्यता से डैमेज होकर दिव्यांग है तो कोई विश्व कासबसे स्वस्थ व्यक्ति !कोई बच्चा फुटपाथ पर जीवन जी रहा है तो कोई महलों में है। हालांकि इस स्थिति को किस्मत का खेल भी हम मानते हैं परंतु इस बात से हम इनकार नहीं कर सकते कि अगर एक माली या किसान जमीन में कोई बीज बोकर उसका सतर्कता से ध्यान रखना है,अंकुरित होकर पौधा होने तक उसका पूरा ध्यान रखना है तो अधिकतम संभावना उसके फलदार वृक्ष बनकर आजीवन स्वस्थ उत्पादकता बनी रहती है, जिसकी नीव उसे अंकुरित बीज की देखभाल करने से पड़ी! ठीक उसी तरह अगर हम अपने बच्चों के स्वास्थय, जीवन शैली, स्वस्थ्य विकास,गुणवत्ता सुधार पर उनके बचपन से ही गंभीरता व सतर्कता से ध्यान देंगे तो उनमें गुण ही अंकुरित होते जाएंगे उनके स्वास्थ्य व स्वस्थ्य विकास के फल उनके जीवन पर्यंत मिलेंगे, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ बच्चों में स्वास्थ्य देखभाल, गुणवत्ता सुधार स्वास्थ्य विकास रूपी बीज बोकर उन्हें जीवन पर्यंत स्वस्थ व फलदार वृक्ष रूपी गुणवान बनाएं। साथियों बात अगर हमह्न हम बच्चों के स्वास्थ्य की करें तो ,परिवार और उनकी मदद करने के लिए कड़ी मेहनत करने वालों के प्रति अपना समर्थन दिखाते हैं परिवार की आय बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक प्रमुख कारक है। उन्नीसवीं सदी के मध्य तक बच्चों के उपचार के लिए कोई समर्पित परिवारों के लिए यह विकल्प नहीहोता था , उस समय बच्चों के स्वास्थ्य की समझ को परिभाषित नहीं किया गया था और अक्सर परित्यक्त और अनाथ बच्चों को शिशु आश्रय गृहों में छोड़ दिया जाता था। अब समय के विकास के साथ बच्चों के स्वास्थ्य और गुणवत्ता पर ध्यान देने के लिए यह दिवस मनाया जाता है।

साथियों बात अगर हम विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे की करें तो,पिछले दशकों में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों का जीवित रहना वैश्विक बाल स्वास्थ्य एजेंडे का मुख्य केंद्र रहा है। परिणाम स्वरूप, 1990 और 2019 के बीच वैश्विक बाल मृत्यु दर में 60 प्रतिशत की कमी आई। 2020 में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों में होने वाली 5.2 मिलियन मौतों में से कई मौतें कमज़ोर आबादी में केंद्रित थीं, विशेष रूप से उप सहारा अफ़्रीका और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों में !इस बात के प्रमाण के आधार पर कि आजीवन स्वास्थ्य, उत्पादकता और कल्याण की नींव बचपन में ही रखी जाती है, केवल जीवित रहें, बल्कि फलते-फूलते रहें। सतत विकास लक्ष्यों में छोटे बच्चों के विकास को बढ़ावा देने के लिए विशिष्ट लक्ष्य शामिल हैं,जो मानव पूंजी उत्पन्न करता है जो हर बच्चे का अधिकार है, और न्यायसंगत और सतत प्रगति के लिए आवश्यक है। एक सुरक्षित, स्वस्थ और सुरक्षात्मक वातावरण यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि सभी बच्चे अपनी पूरी क्षमता तक बढ़ सकें और विकसित हो सकें। बता दें 12-14 नवंबर 2024 को मातृ, नवजात, बाल और किशोर स्वास्थ्य और पोषण के लिए रणनीतिक और तकनीकी सलाहकार समूह के विशेषज्ञों की 10 वीं बैठक का एजेंडा विश्व बैंक द्वारा तैयार कर लिया गया है।बचपन की बीमारियों का प्रबंधन गुणवत्तापूर्ण, बाल-केंद्रित प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के कार्यान्वयन का समर्थन करके,डब्लू एचओ देशों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में काम करने में मदद करता है।उसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे अपना 10 वां जन्मदिन अच्छे स्वास्थ्य में मना सकें।स्वास्थ्य सुविधाओं में लाए गए बच्चे अक्सर एक समय में एक से अधिक स्थितियों से पीड़ित होते हैं, और पर्याप्त देखभाल प्रदान करना एक गंभीर चुनौती बनी हुई है। कम संसाधन वाले देशों में प्रथम स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं में, रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाओं जैसे नैदानिक समर्थन न्यूनतम या न के बराबर होते हैं, और दवाएँ और उपकरण अक्सर दुर्लभ होते हैं।इन सीमाओं के बावजूद उच्च-गुणवत्ता वाली देखभाल सुनिश्चित करने के लिए,डब्लूएचओ बचपन की बीमारी के एकीकृत प्रबंधन के निरंतर कार्यान्वयन को बढ़ावा देता है। निमोनिया, दस्त,मलेरिया खसरा और कुपोषण। इसके तीन घटक हैं- स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के केस प्रबंधन कौशल में सुधार, समग्र स्वास्थ्य प्रणालियों में सुधार, और परिवार और सामुदायिक प्रथाओं में सुधार।प्रसार वाले क्षेत्रों के लिए अनुकूलित किया जा सकता है। इसे 10 वर्ष तक के बच्चों तक विस्तारित करने के लिए चर्चा चल रही है। साथियों बात अगर हम बच्चों के पालन पोषण की करें तो जिस तरह से माता, पिता और अन्य देखभालकर्ता शुरुआती वर्षों में बच्चों का पालन-पोषण और समर्थन करते हैं, वह स्वस्थ विकास और वृद्धि के लिए सबसे निर्णायक कारकों में से एक है जिसमें स्वास्थ्य, उत्पादकता और सामाजिक सामंजस्य के लिए आजीवन और अंतर-पीढ़ीगत लाभ हैं।बेहतर तरीके से बढ़ने और विकसित होने के लिए, बच्चों को पोषण संबंधी देखभाल प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि वे पर्याप्त पोषण और अच्छेस्वास्थ्य का आनंद लें, सुरक्षित और संरक्षित महसूस करें, और जन्म से ही सीखने के अवसर प्राप्त करें। बीमारी के दौरान विशेष स्तनपान, टीकाकरण और समय पर देखभाल सभी बच्चे के स्वस्थ विकास और वृद्धि में योगदान करते हैं। स्वच्छ हवा, पानी और स्वच्छता, और खेलने और मनोरंजन के लिए सुरक्षित स्थान भी छोटे बच्चों के लिए तलाशने और सीखने के लिए महत्वपूर्ण हैं।जब देखभाल करने वालों को उनके देखभाल के तरीकों, परिवार, समुदाय और स्वास्थ्य सेवाओं में समर्थन मिलता है, तो उन्हें लाभ होता है। दूसरों की देखभाल करने के लिए उन्हें खुद को अच्छा महसूस करने की आवश्यकता होती है और इसलिए, देखभाल करने वाले के मानसिक स्वास्थ्य को संबोधित करना उन सेवाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो बच्चों के स्वस्थ विकास और विकास का समर्थन करती हैं। साथियों बात अगर हम भारत मैं प्रतिवर्ष मनाए जाने वाले राष्ट्रीय पोषण सप्ताह की करें तो बच्चों सहित युवाओं का शरीर स्वस्थ तभी होगा जब उसे जरूरी मात्रा में पौष्टिक तत्व मिलते रहेंगे।

विधायक जगमोहन आनंद ने प्रेम नगर में की आमजन से चाय पर चर्चा,सुनी समस्याएं

करनाल, 29 जून (संदीप रोहिला): विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि करनाल की जनता की समस्याओं का निवारण प्राथमिकता पर किया जा रहा है। कोई भी व्यक्ति अपनी समस्या के लिए सीधे उनसे मिल सकता है। उन्होंने कहा कि मेरा प्रयास है कि जनता और उनके विधायक मे सीधा संवाद हो और आमजन की समस्याओं का शीघ्र अति शीघ्र निवारण हो। विधायक जगमोहन आनंद हर रविवार की तरह इस बार भी चाय पर चर्चा कार्यक्रम मे आमजन के बीच पहुंचे थे। यह कार्यक्रम प्रेम नगर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय शहरी, आवासीय व ऊर्जा मंत्री श्री मनोहर लाल के निवास पर आयोजित हुआ। कार्यक्रम मे वरिष्ठ भाजपा नेता भगवान दास अघी, पार्षद राजेश अघी, पार्षद -हरजीत सिंह संधू, पार्षद सुधीर यादव,भाजपा नेता दर्शन सिंह सहगल,मोहन लोधी, निशांत शर्मा सहित बड़ी संख्या मे कार्यकर्त्ता व आमजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान श्री राम के नाम के साथ भजन गाते हुए की गई। इस मौके पर विधायक ने कहा कि मेरा करनाल मेरा परिवार है और सेवा ही सरोकार के साथ मै करनाल की जनता के लिए पूर्ण समर्पण भाव के साथ कार्य कर रहा हूँ। आमजन को कोई परेशानी ना हो, इसके लिए निरंतर जनता के बीच हूँ। विधायक ने यह भी कहा कि विकास के मामले मे भी करनाल आगे बढ़ रहा है। विकास की प्रत्येक प्रस्तावित योजना पर कार्य को आगे बढ़ाया जाएगा और नई संभावित योजनाओं पर भी काम किया जाएगा, जिससे करनाल का सम्पूर्ण विकास हो सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम के सभी सम्मानित सदस्यों के साथ विचार विमर्श कर प्रत्येक वार्ड मे विकास की गति को तेज करने का कार्य भी जारी है। पत्रकारों द्वारा अवैध कॉलोनी को वैध करने के प्रश्न का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हर आमजन को मूलभूत सुविधाएं मुहैया हो,यह सरकार की प्राथमिकता है। 26 कॉलोनियों को वैध करने की प्रक्रिया जारी है और गुरु नानक पुरा के लोगो की समस्याए संज्ञान में है और समाधान के लिए प्रयास निरंतर जारी है।

गुरमत कैंपों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को सिख इतिहास व गुरबाणी से जोड़ना : जत्थेदार दादूवाल

गुरुद्वारा श्री पंजोखरा साहिब में 2 दिवसीय गुरमत ट्रेनिंग कैंप का समापन, 500 से ज्यादा बच्चों ने लिया भाग

अंबाला, 29 जून (कवलजीत सिंह): धन-धन श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी महाराज जी की छत्रछाया में खालसा कॉलेज पंजोखरा साहिब में चल रहे दो दिवसीय गुरमत ट्रेनिंग कैंप का आज समापन हो गया। कैंप के समापन के बाद गुरुद्वारा श्री पंजोखरा साहिब में शुक्राने की अरदास की गई। जानकारी देते हुए श्री गुरु हरगोबिंद साहिब सेवा सोसाइटी के प्रधान व पूर्व एचएसजीपीसी मेंबर टीपी सिंह ने बताया कि कैंप के दूसरे दिन लगभग 500 से ज्यादा बच्चों ने गुरबाणी कंठ मुकाबले, दस्तार मुकाबले, पेंटिंग प्रतियोगिता, कीर्तन, कविता, भाषण, क्विज, गुरमत प्रतियोगिता में भाग लिया। जिसमें सभी बच्चों ने एक से बढ़कर एक प्रदर्शन किया। वहीं उन्होंने बताया कि कैंप के सफल आयोजन के लिए प्रचारक भाई गुरजोत सिंह नलवी , सिकंदर सिंह सब दफ्तर नाडा साहिब, भाई कोमल सिंह, भाई मनप्रीत सिंह जनसुआ, भाई जसवंत सिंह, भाई मनप्रीत सिंह, मैनेजर कुलदीप सिंह व सब दफ्तर इंचार्ज नाडा साहिब भाई गुरप्रीत सिंह का विशेष योगदान रहा।

धर्म प्रचार कमेटी के अध्यक्ष जत्थेदार बलजीत सिंह जी दादूवाल ने बच्चों को सम्मानित किया

इस मौके विशेष तौर पर पहुंचे धर्म प्रचार कमेटी के अध्यक्ष जत्थेदार बलजीत सिंह जी दादूवाल ने समागम में आने और कैंप को सफल बनाने के लिए सीनियर वाइस प्रेसिडेंट गुरमीत सिंह रामसर, मेंबर स्वर्ण सिंह बुंगा टिब्बी, मेंबर राजिंदर सिंह बराड़ा, एक्जीक्यूटिव मेंबर रुपिंदर सिंह, मेंबर गुरतेज सिंह, जीवनदीप सिंह, मैनेजर कुलदीप सिंह, हेड ग्रंथी बूटा सिंह, धर्म प्रचार कमेटी के सकत्तर सरबजीत सिंह जम्मू का धन्यवाद किया। जत्थेदार दादूवाल व अन्य मेंबर्स को कमेटी की तरफ से सिरोपा भेंट कर उन्हें सम्मानित किया गया। जत्थेदार दादूवाल ने प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को स्मृति चिन्ह देकर और अन्य सभी प्रतिभागियों को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया। वही उन्होंने सभी प्रतिभागियों को गुरबाणी के प्रति जुड़ने के लिए प्रेरित किया। वहीं उन्होंने कहा कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी हरियाणा में युवाओं को गुरबाणी, सिख इतिहास से जोड़ने के लिए कई तरह के प्रयास कर रही है। उन्हीं प्रयासों के तहत इस दो दिवसीय गुरमत ट्रेनिंग कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को गुरबाणी और सिख इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में ऐसे ही अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, ताकि बच्चों को अपने सिख इतिहास के बारे में जानकारी हो सके।

पहले दिन बच्चों को सिख इतिहास की जानकारी दी - पहले दिन बच्चों को गुरबाणी उचारण का अभ्यास करवाया गया, जाप साहिब के बारे में जानकारी दी गई। सिख इतिहास, गुरु इतिहास, बाबा बंदा सिंह बहादुर जी के जीवन व शहीदी के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही बच्चों को बताया गया कि सिख की सही सही परिभाषा क्या है। मूलमंत्र का उच्चारण अर्थों सहित समझाया गया। दस्तार का महत्व बताया गया कि दस्तार एक सिख के जीवन में कितनी महत्वपूर्ण है और उसका सत्कार कैसे करना चाहिए। नितनेम के बारे में बच्चों के सवालों के जवाब दिए गए। वहीं श्री गुरु अर्जुन देव जी महाराज व श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज की महान शहादत के बारे में विस्तार से बच्चों को जानकारी दी गई।

हिसार पल्मोनोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

हांसी,29 जून (मनमोहन शर्मा): हिसार पल्मोनोलॉजिस्ट एसोसिएशन द्वारा दो दिवसीय शैक्षणिक कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस

कार्यशाला का उद्देश्य पीजी छात्रों एवं चिकित्सकों को फेफड़ों से संबंधित रोगों के नवीनतम निदान व उपचार तकनीकों की जानकारी प्रदान करना है। कार्यक्रम के पहले दिन देशभर से आए अनुभवी पल्मोनोलॉजिस्ट विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को एनआईवी गैर-इनवेसिव वेंटिलेशन एवं यांत्रिक वेंटिलेशन से संबंधित विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। व्याख्यान के साथ-साथ व्यावहारिक प्रदर्शन द्वारा छात्रों को इन जीवन रक्षक तकनीकों की गहराई से समझ दी गई। विशेषज्ञों ने इन विषयों की आवश्यकता, कार्यप्रणाली, उपकरणों के सही उपयोग और रोगी की देखभाल में उनकी भूमिका पर भी प्रकाश डाला। कार्यशाला में दूसरे दिन अस्थमा एवं एलर्जी रोग प्रबंधन, टीबी,फेफड़े के कैंसर, क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज,मोटापे से जुड़ी हुई सांस सम्बन्धी बीमारियां जैसे महत्वपूर्ण विषय चर्चा की गई इस सम्मेलन के आयोजक हिसार के छाती रोग विशेषज्ञ डॉ अंकुर अग्रवाल, डॉ दीपक तायल, डॉ सत्यपाल,डॉ आजाद और डॉ अश्विंदर चावड़ा द्वारा ने बताया कि ऐसे प्रशिक्षण सत्र न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं, चिकित्सा विद्यार्थियों के लिए काफी लाभदायक है कार्यशाला का समापन अवसर पर प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 12 जुलाई को : डा. इरम हसन

करनाल, 29 जून (सोनी दुआ): मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डा. इरम हसन ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में 12 जुलाई को जिला न्यायिक परिसर व सब डिवीजन इन्द्री, असंध व घरौंडा में नेशनल

लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। लोक अदालत मे कोई भी व्यक्ति आपसी रजामंदी व समझौते के आधार पर स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने लंबित मुकदमों का निपटारा करा सकता है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक लोन, मोटर दुर्घटना अधिनियम, फौजदारी, दिवानी, चालान वैवाहिक व पारिवारिक मुकदमों इत्यादि का निपटारा किया जाएगा। यदि किसी व्यक्ति का कोई मामला न्यायालय में लंबित है तो राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से उसका निपटारा करवा सकता है। लोक अदालत के माध्यम से निपटाए गए मुकदमों की कोई अपील नहीं होती। लोक अदालत के माध्यम से फैसला होने से धन व समय की बचत होती है और भाईचारे की भावना को बढ़ावा मिलता है। अधिक जानकारी के लिए हेल्पलाइन नं0 0184-2266138 पर संपर्क किया जा सकता है।

रायपुररानी गोगा माड़ी पर शनिवार रात लगा भंडारा, सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया

रायपुररानी, 29 जून (देवेन्द्र सिंह): रायपुररानी स्थित गोगा माड़ी पर शनिवार रात्रि को श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए और भंडारे में प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ लिया। भंडारे का आयोजन भगत दीपक कुमार द्वारा किया गया, जिन्होंने बताया कि यह भंडारा पूरी श्रद्धा और सेवा भावना के साथ रखा गया था। उन्होंने बताया कि इस भंडारे में आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और प्रसाद ग्रहण किया।

नारनौंद व बास थाने का औचक निरीक्षण करके सफाई व मेस खाने व्यवस्था की जवानों से बातचीत की : एसपी

हांसी,29 जून (मनमोहन शर्मा): पुलिस अधीक्षक अमित यशवर्धन ने थाने का रिकॉर्ड, मालखाना, आपराधिक रिकॉर्ड के निरीक्षण के साथ साइबर डेस्क व महिला डेस्क की जांच की। उन्होंने थाने के मुंशी कक्ष की जांच की। कंप्यूटर रूम के साथ वायरलेस कक्ष की भी व्यवस्था देखी। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने थाना प्रबंधको को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि थाने में आने वाली शिकायतों का इंद्राज कर उन पर कार्रवाई सुनिश्चित करे। सभी अपनी ड्यूटी जिम्मेवारी से निभाये। पुलिस थाने में आने वाले शिकायतकर्ता से सहयोग और सम्मान पूर्वक व्यवहार कर उनकी बातों को ध्यान से सुन, शिकायत का समयावधि में निदान करे। अन्य मामले में शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करे। अपराध नियंत्रण के लिए थाना क्षेत्र में पुलिस गश्त के फेरो में बढ़ोतरी करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने

थाना में अंकित अभियोगों की स्थिति के बारे में बारी-बारी पड़ताल की। थाने में लंबित अभियोगो के निष्पादन को लेकर अनुसंधानकर्ताओं को निर्देशित करते कहा कि सभी लंबित अभियोगो का समय सीमा के अंदर निदान करे और अनुसंधानकर्ता के साथ थाना प्रबंधक भी घटना स्थल पर जाए। किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर उच्च अधिकारियों के साथ संपर्क कर मदद ले। साथ ही महोदय ने थाना प्रबंधको को थाने का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने, थाना परिसर में साफ सफाई रखने के निर्देश दिए और पुलिस कब्जे में लिए गए वाहनों के मामलों का जल्द से जल्द निपटारा करने के निर्देश दे कहा कि थाना में कोई भी कार्य लंबित नही रहना चाहिए। सभी कार्य समय अवधि में पूरे किए जाए। पुलिस अधीक्षक ने जवानों के रहन-सहन व मैस आदि की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जरूरी दिशा-निर्देश दिए व कहा कि थाना मैस में सफाई का विशेष ध्यान रखें। उन्होंने सभी पुलिस कर्मचारियों को अपनी ड्यूटी निष्ठापूर्वक करने के निर्देश दिए।

भाजपा सरकार की नीतियों से हरियाणा विकास के पथ पर अग्रसर : भगवानदास कबीरपंथी

तरावड़ी, 29 जून (छाया शर्मा): हल्के के विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने विकास, पारदर्शिता और सुशासन की दिशा में ऐतिहासिक प्रगति की है। हर वर्ग के हित को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं, जिनका लाभ पंक्ति में अंतिम खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहा है। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाएं। विधायक भगवानदास कबीरपंथी डोंकल चौपाल में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पूर्व सरपंच देवेंद्र राणा, ब्लॉक समिति सदस्य सुनील कुमार, महिपाल लागियन, महिंद्र बौद्ध सहित अन्य ग्रामीणों ने उनका फूल मालाओं के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम का आयोजन संत कबीर दास जागृति मिशन व डा. भीमराव अंबेडकर सभा गोन्दर द्वारा किया गया। विधायक भगवानदास कबीरपंथी ने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों ने हरियाणा को विकास के पथ पर अग्रसर किया है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों को आगे बढ़ाया है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश का प्रत्येक वर्ग खुश नजर आ रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व सबका प्रयास के मूल मंत्र पर चलते हुए सभी वर्गों के कल्याण के लिए केंद्र सरकार व प्रदेश सरकार ने कई योजनाएं लागू की हैं। भाजपा की केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा जो भी वायदे किए गए थे, उन्हें पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष विनोद राणा, ब्लॉक समिति चेयरपर्सन प्रतिनिधि गुरुदेव सिंह गुर्राया, राकेश सांभली, संजय राणा, रणसिंह राणा, कृष्ण सैन, पूर्व मंडल अध्यक्ष महिपाल गुनियाना , सुरेन्द्र बतान, नरेंद्र मौजूद रहे।

प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की पुरानी कार्यकारिणी किया भंग

कुरुक्षेत्र,29 जून (सुदेश कुमार): प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की मीटिंग सदस्य निशी गुप्ता के निवास स्थान पर बुलाई गई। जिसका मुख्य उद्देश्य हर वर्ष जून में कार्यकारिणी का चुनाव करवाने हेतु था। मौजूद सदस्यों की सहमति से पुरानी कार्यकारिणी को भंग किया गया और नई कार्यकारिणी को गठित करने हेतु 12 जुलाई का दिन निर्धारित किया गया जिसका समय 3:30 बजे ईशानी चाइल्ड केयर स्कूल रखा गया है नई कार्यकारिणी के चुनाव तक पुरानी कार्यकारिणी आंशिक रूप से कार्य करेगी। सभी सदस्यों से निवेदन है कि समय पर पहुंचे ।

लाला रोशन लाल गोयल बने श्री सनातन धर्म शिव मंदिर कमेटी के फिर से प्रधान

चिडाव,29 जून (प्रवीन कुमार): श्री सनातन धर्म शिव मंदिर के प्रधान पद के चुनाव को लेकर रविवार को शहर वासियों की एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता क्षेत्र के प्रमुख उद्योगपति राजकुमार गोयल, गौशाला प्रधान सुभाष सिंगला व चमन लाल गोयल उर्फ पोली ने की। बैठक में लाला रोशन लाल गोयल को फिर से तीन वर्ष के लिए सर्वसम्मति से से प्रधान नियुक्त किया गया। नवनियुक्त प्रधान लाला रोशन लाल गोयल ने कहा कि शहर वासियों ने उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी है,उसे मैं पूरी ईमानदारी ,लगन के साथ निभाऊंगा। शहर वासियों ने बताया कि प्रधान रोशन लाल गोयल ने मंदिर के विकास कार्य करावाने में लगे हुए है। उन्होंने मंदिर में विकास कार्यों को लेकर चार चांद लगाने का काम किया है। हमसब यह आशा करते है कि प्रधान

लाला रोशन लाल गोयल अपने दो वर्ष के कार्यकाल में विकास कार्य करवाने में कोई कसर नहीं छोडेगे। मंच संचालन डा. राधेश्याम गुप्ता ने किया। इस मौके पर प्रेम चंद सिंगला,राइस मिल एसोसिएशन प्रधान मुकेश गर्ग,नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन नागेश गोयल, एडवोकेट सुरेश गोयल,नाथी राम गर्ग,राजकुमार बब्बर, गणेश गोयल,नफे सिंह, जिया लाल दुध्याण, दिनेश गोयल,पृथ्वी शर्मा, ऋषि राज गोयल, मार्किट कमेटी पूर्व वाइस चेयरमैन मुकेश गोयल, राजेश उर्फ काका,कृष्ण सिंगला, राजू अत्री,ईश्वर सिंगला , भाजपा नेता जनक पोपली,नगर पार्षद लब्बू जांगड़ा, मुकेश, सुमित ठाकुर, कृष्ण लाल, शिव कुमार वर्माश्दुली चंद शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुनी मन की बात

शाहाबाद मारकंडा, 29 जून (रूबी): रविवार को नगर के बूथ नंबर-89 पर भाजपा कार्यकर्ताओ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मन की बात सुनी। पूर्व नपा प्रधान व वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव राज चावला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी के नेतृत्व में देश मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि जहां प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी देश को मजबूत कर रहे है वहीं मन की बात से देश की जनता से भी जुड रहे है। राजेश चावला व राज सतीजा ने कहा कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी दिनरात प्रदेश की जनता की सेवा करने में लगे है। इस मौके पर मनदीप, मोनू, करण, प्रिंस, जसविंदर, राहुल, हैप्पी, संजय, ज्ञान चंद, दिलबाग सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।